

बीजेपी एक साथ करेगी जिलाध्यक्षों की घोषणा



बीएल संतोष की सख्ती के बाद बदला फैसला

जनमार्ग न्यूज
जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष के सख्त रवैए के बाद प्रदेश इकाई की आधे से ज्यादा जिलों में जिला अध्यक्ष घोषित करने की योजना अटक गई है। उन्होंने पहले सभी मंडल अध्यक्ष घोषित करने के बाद ही जिला अध्यक्षों के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। प्रदेश इकाई को सभी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करने के लिए भी कहा गया है ताकि इसके बाद ही प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करवाया जाए। पहले पार्टी की प्रदेश इकाई की मंशा आधे से ज्यादा यानी 23 जिला संगठनों में अध्यक्ष नियुक्त कर प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव कराने की थी। पार्टी सूत्रों के अनुसार जिन जिलों में अध्यक्षों की नियुक्तियों में सबसे ज्यादा विवाद की आशंका है, उनमें जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर, सीकर, सिरोंही, भीलवाड़ा, बारां, झालावाड़, धौलपुर, दौसा, सर्वाडामाधोपुर, बाड़मेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और उदयपुर जिले शामिल हैं। पार्टी यहां जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों को लेकर विशेष सचेतनी बत रही है। पार्टी को दिसंबर में ही संगठन चुनाव की प्रक्रिया पूरी करनी थी, लेकिन शुरू से ही देरी हो रही है। मंडल अध्यक्ष भी तय समय पर नहीं बन सके। जिला अध्यक्षों के पद पर तो नियुक्ति की हालत यह है कि अभी एक भी जिले में घोषणा नहीं हो सकी है।

जिले की तीन सड़कों के रेनोवेशन को मिली मंजूरी

पीडब्ल्यूडी ने 11 जिलों में 49 सड़कों के रेनोवेशन हेतु राशि जारी की

जनमार्ग न्यूज
जयपुर। राजस्थान में पिछले साल मानसून के दौरान टूटी सड़कों और पुरानी खराब सड़कों की मरम्मत के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 132.70 करोड़ रूपए की मंजूरी दी है। इस मंजूरी से पाली, जालौर, सीकर, टोंक समेत 11 जिलों की 49 सड़कों का रेनोवेशन करवाया जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा पाली जिले की 16 सड़कें हैं, जो सभी पिछले साल हुई तेज बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी। पीडब्ल्यूडी से जारी सेशन के मुताबिक इसमें 80 फीसदी सड़कें

श्रीगंगानगर क्षेत्र में बढ़ने लगी है नेत्रदान के प्रति जागरूकता

कुछ ही समय में पांच कॉर्निया उत्सारित

जनमार्ग न्यूज
श्रीगंगानगर। क्षेत्र में पिछले कुछ समय से नेत्रदान के प्रति आमजन में जागरूकता फिर बढ़ने लगी है। डॉ. एस. टाटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी के सक्रिय होने के उपरांत लोगों को लगने लगा है कि मरणोपरांत भी उनके परिजन दुनिया को देख सकते हैं। इससे वे लोगों की अंधेरी जिंदगी में उजाला कर सकते हैं। डॉ. एस. एस. टाटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी

अंधेरी जिंदगियों में रोशनी के लिए रहें सजग : डॉ. मोहित

टाटिया समूह के वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टाटिया का कहना है कि जरूरतमंदों की अंधेरी जिंदगी में रोशनी लाने के लिए सभी को सजग रहना चाहिए। इसके लिए युवा, महिला या अन्य वर्ग अभियान चलाना चाहिए तो टाटिया समूह उनके साथ है। सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संस्थाएं भी इसके लिए आगे आ सकती हैं। अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या अन्य दिवस विशेष को यादगार बनाने के लिए इस दिन संकल्प पत्र भरे और भरवाए जा सकते हैं। मानवता के इस यज्ञ में आहुति के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083, 76657-85893 पर दें। E-mail: dainikjanmarg@gmail.com

महाकुंभ के पहले अमृत स्नान में 2 करोड़ ने लगाई डुबकी

तलवारें लहराते पहुंचे नागा साधु, हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा भीड़ इतनी कि सेना स्टैंडबाई पर

जनमार्ग न्यूज
प्रयागराज। महाकुंभ का पहला अमृत स्नान (शाही स्नान) मंगलवार सुबह 6.15 बजे से शुरू हुआ। संन्यासियों के हाथों में तलवार-त्रिशूल, डमरू। पूरे शरीर पर भभूत। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए नागा साधु-संत संगम पहुंच रहे हैं। सरकार के मुताबिक, दोपहर 2 बजे तक 2 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इस हिसाब से 30 घंटे में 3 करोड़ लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई। हालात संभालने के लिए आर्मी को भी स्टैंड बाई पर रखा गया है। जून अखाड़े समेत 7 संन्यासी अखाड़ों के संत स्नान कर चुके हैं। अब वैरागी अखाड़ों के संत संगम में स्नान करने के लिए निकले हैं। महाकुंभ में पहली बार शाही स्नान की जगह अमृत स्नान शब्द का इस्तेमाल किया गया। अखाड़ों ने नाम बदलने का प्रस्ताव दिया था। संगम जाने वाले सभी रास्तों में 8 से 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। स्नान के लिए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 30-40 मिनट का समय दिया है। संगम पर दुनियाभर का मीडिया और 50 से ज्यादा देशों के श्रद्धालु हैं। अभय चेतन फलाहारी उर्फ मौनी महाराज ने दंडवत परिक्रमा करते हुए संगम पहुंचे और स्नान किया। शिष्य डॉ. दिव्यांशु ने बताया- बाबा ने मकर संक्रांति का अमृत स्नान संगम तट पर दंडवत परिक्रमा कर किया। उनका संकल्प है कि अयोध्या की तरह ही काशी और मथुरा के मंदिर



का निर्माण सरकार करे। संकल्प पूरा होने पर दंडवत परिक्रमा का क्रम चलता रहेगा। भाजपा नेता साध्वी निरंजन ज्योति कहती हैं- मैं 1982 से कुंभ मेले में आती रही हूं। इस बार का अनुभव बहुत अलग है। एक नया शहर बसा है। हम बहुत भाग्यशाली हैं कि 144 साल में एक बार होने वाले इस आयोजन का हिस्सा बन पाए हैं। कथा वाचक जया किशोरी ने कहा- सभी को मकर संक्रांति की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं पहली बार कुंभ में स्नान के लिए आई हूं। मैं चाहूंगी कि देश का हर व्यक्ति

जूनियर-असिस्टेंट भर्ती में प्रोबेशनल लिस्ट को फाइनल करने पर रोक

हाईकोर्ट ने रोक लगाते हुए हाउसिंग बोर्ड से मांगा जवाब



जनमार्ग न्यूज
जयपुर। हाई कोर्ट ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की जूनियर असिस्टेंट भर्ती 2023 में नियुक्ति पा चुके प्रोबेशन-ट्रेनिंगों को नियमित करने पर रोक लगा दी है। यह रोक जस्टिस समीर जैन की अदालत ने राम सिंह यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए लगाई। अदालत ने मामले में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड से जवाब भी मांगा है। वहीं मामले को फाइनल सुनवाई के लिए 23 जनवरी को लिस्ट करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, हाउसिंग बोर्ड ने पिछले साल 13 अगस्त को सलेक्टेड कैडिडेट्स की प्रोविजनल लिस्ट निकाली थी। याचिका में कहा गया है कि बोर्ड को पदों के मुकाबले 15 गुणा अभ्यर्थी बुलाने थे लेकिन बोर्ड ने ऐसा नहीं किया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता निखिल कुमावत ने बताया कि भर्ती में याचिकाकर्ता के कट ऑफ से ज्यादा मार्क्स हैं। लेकिन फिर भी उसे सलेक्ट नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने 12 अगस्त 2023 को जूनियर असिस्टेंट भर्ती की विज्ञापित जारी की थी। इसके लिए 11 सितम्बर को स्क्रीनिंग टेस्ट हुआ। इसके बाद बोर्ड ने अलग-अलग समय में सलेक्टेड कैडिडेट की प्रोविजनल लिस्ट जारी की।

ट्राले ने तीन सब्जी विक्रेताओं को कुचला

जनमार्ग न्यूज
फाजिल्का। ओवरस्पीड ट्राले ने तीन सब्जी विक्रेताओं को कुचल दिया। हादसे में एक की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। जो सड़क किनारे जुगाड़ वाहन की मरम्मत कर रहे थे। मृतक की एक छोटी बच्ची भी है। घटना फिरोजपुर हाईवे पर बहक खास गांव के पास हुई है। मृतक की पहचान बलविंदर सिंह के रूप में हुई है। घायलों में रामू की दोनों टांगें टूट गईं, जिन्हें गंभीर स्थिति के चलते फरीदकोट रेफर किया गया है। जबकि संदीप कुमार को कंधे में फ्रैक्चर हुआ, जिसे फाजिल्का के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल संदीप कुमार ने बताया कि वे तीनों अपने जुगाड़ वाहन से गांवों में सब्जी बेचकर लौट रहे थे।

नगरपरिषद में बकाया राशि जमा करवाने पर छूट 31 मार्च तक

जनमार्ग न्यूज
श्रीगंगानगर। नगरपरिषद क्षेत्र में सम्पूर्ण बकाया गृहकर व नगरीय विकास कर जमा करवाये जाने पर 31 मार्च तक छूट प्रदान की गई है। नगर परिषद आयुक्त रणजीत कुमार द्वारा समस्त शहरवासियों से अनुरोध किया गया है कि अगर उनकी तरफ गृहकर, नगरीय विकास कर बकाया है, तो वे कर की राशि जमा करवाकर राज्य सरकार द्वारा दी गई छूट का लाभ उठावे एवं कर दायित्व से मुक्त हो। गृहकर एक मुश्त जमा करने पर गृहकर राशि पर 50 प्रतिशत और शांति पर 100 प्रतिशत की छूट है और नगरीय विकास कर पर 2011-12 से पूर्व बकाया में 50 प्रतिशत एवं 2023-24 तक एक मुश्त नगरीय विकास कर जमा करवाए जाने पर ब्याज एवं शांति में 100 प्रतिशत छूट होगी। नगरीय विकास कर व बकाया गृहकर जमा नहीं करवाने की स्थिति में नियमानुसार सीज या अन्य कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

धुंध के कारण ट्रेक्टर-ट्राली से भिड़ी रोडवेज बस

सड़क पर बिखरी गाजर, करतारपुरा निवासी चालक घायल



जनमार्ग न्यूज
श्रीगंगानगर। जिला मुख्यालय पर आज सुबह धुंध के चलते सदर थाना क्षेत्र में गांव मोजपुरा के नजदीक एक रोडवेज व बस गाजर से भरी ट्राली में भिड़ंत हो गई। हादसे में ट्रेक्टर चालक करतारपुरा निवासी साहिल घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रोडवेज की बस आज सुबह पदमपुर के लिए रवाना हुई। गांव मोजपुरा के निकट गाजर से भरी ट्रेक्टर-ट्राली की रोडवेज बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। भिड़ंत में ट्रेक्टर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा बस को भी एक साइड से नुकसान हुआ है। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चौख-पुकार मच गई तथा बस के ड्राइवर व परिचालक मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंची सदर पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में करवाकर आवागमन शुरू करवाया। सदर थाना प्रभारी रमेश च्यौल ने बताया कि ट्रेक्टर चालक के अलावा अभी तक किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है। मुकदमा दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवेध हथियारों सहित घर पर फायरिंग के आरोपी गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज
बीकानेर। कोलायत के हदां थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार कर लिया है। इन दोनों के खिलाफ अब आर्मस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। दोनों को गिरफ्तारी के बाद हथियार बरामद करने और इन्हें बेचने वाले का पता लगाया जा रहा है। तीन दिन पहले 11 जनवरी को हदां थाना क्षेत्र के गांव खारिया मल्लिनाथ में पंचायत भवन के आगे निर्माणधीन मकान के पास आकर कुछ लोगों ने धमकी दी थी। फिर मकान के पास पहुंचकर दहशत फैलाते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन फायरिंग करने वाले युवक वहां से फरार हो गए। पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने फायरिंग करने वालों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।



के प्रयास ही हैं कि श्रीगंगानगर में अधिकृत रूप से आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान का चेप्टर आरंभ हो गया है और लोगों को नेत्रदान के लिए सुविधाएं मिलने लगी हैं। नेत्रदान के क्षेत्र में सक्रियता दिखाने वाले श्रीगंगानगर में पिछले कुछ वर्षों से सन्नाटा छाया हुआ था। इसका मुख्य कारण यह था कि श्रीगंगानगर में अधिकृत आई बैंक या उसकी इकाई नहीं थी। इस कारण अधिकृत तकनीशियन भी नहीं मिल पाता था, जो मृतक की आंखों से कॉर्निया उत्सारित कर सके। इसके चलते यह काम एक बारगी तो ठप ही हो गया था। पिछले वर्ष टाटिया समूह के वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टाटिया की पहल पर डॉ. एस. एस. टाटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी का गठन किया गया और प्रयास करके आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान का चेप्टर श्रीगंगानगर में आरंभ करवाया। इसके लिए सोसायटी ने शहर के गणमान्य लोगों को शामिल करते हुए एक कमेटी का गठन भी किया है। ये लोग निरंतर कार्य करते हुए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इनमें सामाजिक, व्यापारिक संस्थाओं के पदाधिकारी तो शामिल हैं ही, चिकित्सा, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी सदस्य के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस उप अधीक्षक वेदप्रकाश लखोटिया मुख्य सलाहकार और राजकुमार जैन इसके प्रोजेक्ट डायरेक्टर हैं। पिछले कुछ समय में शहर के पांच लोगों के मरणोपरांत नेत्र उत्सारित करके दस लोगों की जिंदगी में उजाला किया गया है। हालांकि इतने बड़े शहर की आबादी के हिसाब से यह आंकड़ा कम लग सकता है लेकिन कुछ न होने से कुछ होना बेहतर होता है, इस युक्ति को देखें तो लगता है कि आगाज तो अच्छा है, अजाम भी अच्छा ही होगा। आई

डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी ने सभी से आग्रह किया है कि वे मानव सेवा की भावना के चलते मरणोपरांत नेत्रदान की मुहिम में शामिल हों तथा मरणोपरांत नेत्रदान के इच्छुक परिवार की सूचना मोबाइल नंबर 9773374692 पर दें, ताकि अधिक से अधिक लोगों के अंधेरे जीवन में रोशनी की जा सके।

अब तक केवल महिलाओं का योगदान

यह भी संयोग ही है कि अब तक जिन पांच लोगों के कॉर्निया उत्सारित करके दस जनों को लगाए गए हैं, वे सभी पांचों महिलाएं थीं। प्रोजेक्ट डायरेक्टर जैन बताते हैं कि परिवार में किसी की मृत्यु होने पर माहौल गमजदा हो जाता है और किसी का भी ध्यान इस तरफ नहीं जाता। परंतु अब मरणोपरांत अपने परिजनों के नेत्रदान करने के इच्छुक लोग सोसायटी से सम्पर्क करने लगे हैं। सूचना मिलने के बाद आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के तकनीशियन अनुराग सारस्वत मृतक के घर तक पहुंच कर कॉर्निया उत्सारित करते हैं और निर्धारित समय में जयपुर स्थित आई बैंक को भेजते हैं।

सामूहिक प्रयासों पर जोर

क्षेत्र में नेत्रदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर निरंतर जोर दिया जा रहा है। शहर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नेत्रदान की अपील की जाती है और इसके संकल्प पत्र भी भरवाए जाते हैं। किसी घर में हुई मृत्यु की जानकारी मिलने पर उनके परिजनों को प्रेरित करने का प्रयास भी किया जाता है। पूर्व में भी सोसायटी इसके लिए अनेक अभियान चला चुकी है।



आस्था की डुबकी

बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए एआइ से लैस कैमरे, ड्रोन और मोबाइल ऐप से निगरानी का सहारा लिया जाएगा। इसके अलावा, प्रशासनिक चौकसी के बीच ड्रोन शो के साथ-साथ आभासी तकनीकी के जरिए गंगा आरती और दूसरे कार्यक्रमों को देखने की भी सुविधा है। प्रयागराज के त्रिवेणी संगम का सम्मूचा इलाका अब कुंभ मेले से गुलजार हो चुका है और पहले दिन वहां से लगभग डेढ़ करोड़ लोगों के खान करने की खबर आई। मेला स्थल के आसपास एक बड़े हिस्से में जितनी तादाद में तंबू लगाए गए हैं, उसमें इतनी बड़ी संख्या में लोगों के टिकने की व्यवस्था है, जो किसी शायद किसी छोटे देश की आबादी से भी ज्यादा हो। जाहिर है, इसके साथ ही सबसे बड़ी चुनौती और जिम्मेवारी सरकार के सामने है कि वह इस मेले में व्यवस्थागत इंतजामों के मोर्चे पर कितनी चौकस है और वहां पहुंचने वाले लोगों को कितनी सुविधा होती है। यों, करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले कुंभ मेले को ज्यादा से ज्यादा सहज बनाने के लिए हर स्तर पर बेहतर व्यवस्था करने की जैसी खबरें आई हैं, उससे उम्मीद बंधती है कि इस बार साधु-संतों से लेकर श्रद्धालुओं तक को कोई दिक्कत नहीं होगी। फिर भी करोड़ों लोगों की मौजूदगी की वजह से जैसे हालात पैदा होंगे, उसमें सब कुछ को ठीक बनाए रखने के लिए हर स्तर पर बहुत ज्यादा चौकसी की जरूरत होगी। इसके मद्देनजर इस बार सरकार ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर भीड़ प्रबंधन को लेकर बेहतर तौर-तरीके आजमाने का दावा किया है, बल्कि लोगों की सुरक्षा और सेहत की देखभाल के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल भी हर जगह किया गया है। मसलन, पिछले कुछ समय से सुर्खियों में आई कृत्रिम मेधा यानी एआइ मेले की व्यवस्था को कई स्तर पर सहज और सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो रही है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के प्रबंधन के लिए एआइ से लैस कैमरे, ड्रोन और मोबाइल ऐप से निगरानी का सहारा लिया जाएगा।

क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने, भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। करोड़ों व्यक्ति और संत संन्यासी दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश सरकार ने कुंभ को स्थिति के साथ तादात्म्य बिटाते हुए कार्य किया वैसे पहले कभी नहीं हुआ।

ऐसा अद्भुत आयोजन संकल्प से ही संभव

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां ऐसे अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो वाली स्थिति है। न भविष्यति इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्रीगणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है। भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों पर भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ आयोजन पर साथ खड़े होते। हमारे देश का संस्कार इतना महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग साधु-संतों के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता।

थोड़ी देर के लिए दलीय राजनीति की सोमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने, भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं। कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत-संन्यासी, साधु, महंत आचार्य्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकारों के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह केंद्र और प्रदेश की योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिटाते हुए कार्य किया वैसे पहले कभी नहीं हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा

है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विश्वनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में



ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पानी को अधिकतम संभव शुद्ध और स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर दिन रात एक किया। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहलू कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये व्यय अभी तक हुआ और केंद्र से भी इसमें 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शुन्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है। सभी 81 नालों का स्थायी निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इनकार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा-मोटी 3 लाख के आसपास पौधों के रोपण का आंकड़ा है। पहले भी वृक्षारोपण होते थे, किंतु संख्या अत्यंत कम होती थी। ऐसे आयोजनों में स्वच्छता के अभाव में लोगों में अनेक स्वास्थ्य समस्याओं भी पैदा होती हैं। केवल रिक्त स्थानों में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए, बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल अपूर्ण के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एट्रीएम तथा

85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिंदुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं, किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान होता है। सबसे बड़ी बात कि अखाड़ों, आश्रमों आदि की परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था करना ताकि कर्मकांड संपूर्ण नियमों के साथ ही सुनिश्चित हो, मुख्य शाही स्नान ठीक मूहूत पर शास्त्रीय विधियों से संपन्न हों इसकी व्यवस्था तो पूर्व सरकारों में संभव ही नहीं थी। आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मांडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है।

धोरे-धोरे अब परंपरागत आर्थिक विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि भारत अगर विश्व की आर्थिक और आदर्श महाशक्ति बनेगा तो अद्यात्म-संस्कृत की क्षमता का उसमें सर्वाधिक योगदान होगा। मोटा-मोटी निष्कर्ष यह है कि लगभग 40 करोड़ लोग 45 दिनों में आते हैं तो दो से चार लाख तक का कारोबार हो सकता है। आयोजन के निर्माण में तैयार आधारभूत व्यवस्थाएं भविष्य में भी ऐसे स्थानों पर तीर्थ यात्रियों और आधुनिक संदर्भ में पर्यटकों को सतत आकर्षित करने का ठोस आधार बना रहेगा। कितने लोगों को रोजगार, आर्थिक समृद्धि, परिवारों में खुशहाली प्राप्त होगी इसकी कल्पना करिए। दुर्भाग्य से गुलाामी के काल में अपनी ही महान आध्यात्मिक शक्ति, संस्कृति, कर्मकांड आदि की पिछड़ान कहकर हमें उससे दूर किया गया। सच यह है कि ऐसे आयोजन जन कल्याण और संपूर्ण ब्रह्मांड के अंदर स्वाभाविक शांति का अमृत अंतःशक्ति पैदा करते हैं। साधु-संतों, अखाड़ों का स्नान, यज्ञ, अनुष्ठान विश्व कल्याण पर केंद्रित होता है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में फैली दिव्यता उत्पन्न करेगी इसकी कल्पना करिए।

प्रकाश, पुण्य और नवजीवन का उत्सव

सूर्य उपासना का पर्व मकर संक्रांति प्रतिवर्ष 14 अथवा 15 जनवरी को पूरे उल्लास के साथ भारत सहित कई अन्य देशों में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 14 जनवरी को मनाया जा रहा है। मकर संक्रांति के दिन से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। यह पर्व सम्पूर्ण भारत में फसलों के आगमन की खुशी के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन सूर्य अपने पुत्र शनिदेव से नाराजगी भुलाकर उनके घर गए थे। कहा जाता है कि महाराज भगौरथ ने अपने पूर्वजों के लिए मकर संक्रांति के ही दिन तपण किया था। मकर संक्रांति के दिन सूर्य की कक्षा में होने वाले परिवर्तन यानी सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण में आने को अंधकार से प्रकाश की ओर परिवर्तन माना जाता है। सूर्य प्रायः 14 या 15 जनवरी को ही मकर राशि में प्रवेश करता है, इसीलिए उसी दिन मनाए जाने वाले पर्व को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है। यह हिंदू पर्व भारत के अलग-अलग राज्यों में भी अलग-अलग तरीकों और नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसे खिचड़ी पर्व, पतंगोत्सव इत्यादि नामों से जाना जाता है जबकि मध्य भारत में इसे 'संक्रांति' कहा जाता है। दक्षिण भारत में यह त्योहार 'पोंगल' उत्सव के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति को उत्तरायण, माघी, खिचड़ी, पौष संक्रांति, भोगाली बिहू, शिशुर संक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। नेपाल में इसे माघे संक्रांति या माघी संक्रांति व खिचड़ी संक्रांति, श्रीलंका में पोंगल या उअवर तिरूनल, बांग्लादेश में पौष संक्रांति, थाईलैंड में सोगकरन, म्यांमार में थियान, कम्बोडिया में मोहा संगक्रान तथा लाओस में पिमा लाओ नाम से मनाया जाता है। कहा जाता है कि मकर संक्रांति से ही दिन तिल-तिल करके बढ़ता है अर्थात् इस दिन से दिन की अवाधि रात के समय से अधिक होने लगती है यानी दिन लंबे होने लगते हैं, जिससे खेतों में बोए हुए बीजों को अधिक रोशनी, अधिक ऊष्मा और अधिक ऊर्जा मिलती है, जिसका परिणाम अच्छी फसल के रूप में सामने आता है, इसलिए इस अवसर का खासतौर से किसानों के लिए तो बड़ा महत्व है। मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द जहां मकर राशि को इंगित करता है, वहीं 'संक्रांति' शब्द का अर्थ है संक्रमण अर्थात् प्रवेश करना। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरी राशि में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को ही संक्रांति कहा जाता है। हिन्दू शास्त्रों में मकर संक्रांति को पुण्यदायी पर्व माना गया है। इस दिन श्राद्धकर्म तथा तीर्थ स्नान करना फलदायी माना गया है। इस दिन लाखों श्रद्धालु विभिन्न तीर्थ स्थलों पर पवित्र स्नान करते हैं और तिल से बने पदार्थों का दान करते हैं। गंगासागर पर तो इस अवसर पर तीर्थस्नान के लिए लाखों लोगों का हूजूम उमड़ पड़ता है, जो इस पर्व की महत्ता को परिलक्षित करता है। मान्यता है कि इस दिन देशभर के किसी भी पवित्र तीर्थ, संगम स्थल या गंगा अथवा यमुना के तट पर स्नान करने से आध्यात्मिक, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक ऊर्जा मिलती है। आज के समय में मकर संक्रांति का उत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से मनाया जा रहा है, बल्कि इसे एक सामाजिक उत्सव के रूप में भी देखा जा रहा है। विभिन्न प्रकार के सामूहिक आयोजन, फसल उत्सव, सामूहिक भोज और पारंपरिक खेलों का आयोजन इसके आकर्षण को और बढ़ाता है। मकर संक्रांति न केवल एक पर्व है बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपरा, धर्म और विज्ञान का अनूठा संगम है। इस पर्व में निहित वैज्ञानिक, खगोलीय और धार्मिक महत्व इस अलग पहचान दिलाता है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने और जीवन में सकारात्मकता लाने की प्रेरणा देता है।

ईश्वर को जानने से पहले उसे प्रेम करें

हम सभी की यह स्वाभाविक इच्छा होती है कि हम ईश्वर को जानें। इसके लिए हम तमाम प्रयत्न भी करते हैं। ध्यान-तपस्या से लेकर योग साधना तक, जो भी हमारे सामर्थ्य में होता है। लेकिन इन सबमें हम एक अहम बात भूल जाते हैं कि हमें ईश्वर को जानने से पहले उसे प्रेम करना आना चाहिए। ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करना। एक छोटी-सी प्रार्थना करके अथवा थोड़ा-सा प्रकाश देखकर संतुष्ट होकर सोने के लिए न चले जाएं। निद्रा नश में जाने की दवा है। यदि आप भली प्रकार से इच्छाओं को नियंत्रित कर सकें; और यदि आप पूर्णरूप से सभी इंद्रियों को नियंत्रित कर सकें; और यदि आप अपनी आत्मा की पूर्ण शक्ति से ईश्वर को खोजें, तब वह आपके समक्ष प्रकट हो जाएंगे। यद्यपि आप उच्च सदाचारी हों और एक आध्यात्मिक व्यक्ति हों, तो भी ईश्वर के बोध के बिना आपके पास कुछ नहीं है। इसलिये स्वयं को धोखा न दें। अधिक ध्यान करें- अनवरत रूप से और ईमानदारी से। ईश्वर से कहें, 'मैं अपनी कमजोरियों को जानता हूँ। लेकिन प्रभु ये सब आपकी हैं, क्योंकि आपने ही मुझे बनाया है। आपके सान्निध्य में रहने के अतिरिक्त मेरी और कोई इच्छा नहीं है, क्योंकि आप ही इस संसार रूपी चलाचित्र को दिखा रहे हैं। आप इसके सुखांत और दुखांत दोनों पहलुओं से मुक्त हैं। इसलिए मैं भी मुक्त हूँ, क्योंकि मैं आपका बच्चा हूँ।' स्वयं को पापी न कहें; और न स्वयं को धर्मात्मा कहकर गर्व करें। आपतु, कहें कि ईश्वर आपके साथ हैं, और केवल वे ही, न कि कोई और! आपके द्वारा कार्य कर रहे हैं।

संक्रांति में तिल, गुड़ और मूंगफली खाना फायदेमंद

मकर संक्रांति के दिन भगवान सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिन को भारत में त्योहार के रूप में मनाया जाता है। हर राज्य में इसके अलग नाम हैं— पोंगल, खिचड़ी, मकर संक्रांति, लोहड़ी और उत्तरायण। इसके नाम जरूर अलग हैं पर देश के सभी हिस्सों में इस दिन तिल और गुड़ खाए जाने की परंपरा एक ही है। इस दिन मूंगफली भी खाई जाती है। तिल, गुड़ और मूंगफली, तीनों चीजें सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में जितनी स्वादिष्ट होती हैं, सेहत के लिए भी उतनी फायदेमंद होती हैं। तिल और मूंगफली में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स होते हैं। गुड़ में आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स होते हैं। मकर संक्रांति के दिन लोग तिल और गुड़ के लड्डू खाते हैं। इसके बाद शाम को घर के सभी लोग अलाव जलाकर गीत गाते हैं और मूंगफली खाते हैं। ये सभी चीजें सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती हैं। इन तीनों सुपरफूड्स की तासीर गर्म होती है। इसलिए इन्हें सर्दियों का सुपरफूड भी कहते हैं। इनकी न्यूट्रिशनल वैल्यू इन्हें और खास बनाती है। आइए सभी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू और फायदे जानते हैं। गुड़ में सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में शुगर होता है। इसलिए इसका स्वाद मीठा होता है और इसे खाने से तुरंत एनर्जी मिलती है। गुड़ में शरीर के लिए जरूरी विटामिन ए, सी और ई होते हैं। इसमें आयरन समेत कई जरूरी मिनरल्स भी होते हैं। डाइजैस्टिव हेल्थ सुधारती है। लिबर और ब्लड डिटॉक्स होता है। रैस्पेरेटी इन्फेक्शन दूर होता है। कान्स्टिपेशन को शिकायत दूर होती है। मेंटल और फिजिकल स्ट्रेस कम होता है। प्रीमेस्ट्रुअल सिंड्रोम में राहत मिलती है। एनीमिया का जोखिम कम होता है। हार्ट हेल्थ इफ्फव होती है। एनर्जी लेवल बढ़ता है। तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और पोटेशियम जैसे मिनरल्स होते हैं। इसमें विटामिन बी6 भी होता है। शरीर को रोजाना जरूरत के कितने मिनरल्स तिल खाने से मिलते हैं। हड्डियां मजबूत होती हैं। इम्फ्लेमेशन कम होता है। आर्थराइटिस के दर्द से राहत मिलती है। डाइजैस्टिव हेल्थ अच्छी रहती है। मीनोपांज के समय हॉर्मोन बैलेंस बना रहता है। थायरॉइड हेल्थ के लिए फायदेमंद है। एनीमिया का जोखिम कम होता है। ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल कम होता है। मूंगफली में प्रोटीन, फैट समेत कई हेल्दी न्यूट्रिएंट्स होते हैं। कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स भी होते हैं। वेट लॉस में मदद मिलती है। इम्फ्लेमेशन कम होता है। डाइबिटीज का रिस्क कम होता है। कैंसर का जोखिम कम होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। हार्ट हेल्थ इफ्फव होती है। गॉलस्टोन का रिस्क कम होता है। इससे लाइफ स्पैन बढ़ता है। ब्रेन फंक्शनिंग बेहतर होती है।



आंखों की सेहत सुधारती है। लोगों को इस बात का भ्रम है कि फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि असल में ट्रांस फैट, सैचुरेटेड फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। तिल और मूंगफली में मौजूद हेल्दी फैट हमें सेहतमंद बनाता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, तिल और मूंगफली में मौजूद हेल्दी फैट कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने में मददगार है। इससे हार्ट हेल्थ इफ्फव होती है। इसके उलट तिल और मूंगफली खाने से हेयरफॉल रुक सकता है। इनके सेवन से बालों के विकास में भी मदद मिलती है। मैं मौजूद ओमेगा-3, ओमेगा-6 और ओमेगा-9 फैटी एसिड से स्क्वालोन के ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है। इससे बालों की जड़ों को जरूरी पोषक तत्व और ऑक्सीजन मिलता है। तिल और मूंगफली में भरपूर मात्रा में कॉपर, फास्फोरस, जिंक, आयरन, विटामिन क्रा और मैग्नीशियम होता है। इससे स्क्वालोन हेल्दी रहता है और हेयरफॉल कम होता है। तिल की एलर्जी के कारण उल्टी हो

सकती है और ब्रीदिंग प्रॉब्लम हो सकती है। इससे कब्ज हो सकता है और अपॉइडस में दर्द हो सकता है। तिल में साइकोएक्टिव कंपाउंड टीएचसी होता है। यह ड्रग्स टेस्ट होने पर सामने आ सकता है। इसलिए ज्यादातर प्रोफेशनल स्पोर्ट्सर्स पर्सन तिल खाने से बचते हैं। मूंगफली खाने से कुछ लोगों को एनाफिलेक्सिस नाम का गंभीर एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। कई बार यह लाइफ थ्रेटनिंग भी होता है। इसके कारण रिस्क में रेशेज हो सकते हैं और सूजन हो सकती है। ब्लड प्रेशर असाइन कम हो सकता है। इससे स्ट्रोक इन्फेक्शन हो सकता है। असाइन लेने में समस्या हो सकती है। डाइबिटीज लोग तिल और मूंगफली बहुत आराम से खा सकते हैं। इसका हेल्दी फैट इंसुलिन स्पाइड और शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मददगार है। हालांकि उन्हें गुड़ और गुड़ से बनी चीजें बिल्कुल नहीं खानी चाहिए। डाइबिटीज में लो ग्लाइसेमिक फूड खाने की सलाह दी जाती है, जबकि गुड़ हाई ग्लाइसेमिक फूड है। इससे शुगर स्पाइड हो सकता है।

मिनरल एक्सप्लोरेशन और वोल्क्यूमेट्रिक असेसमेंट क्षेत्र के विशेषज्ञ 16 को जयपुर में जुटेंगे : रविकांत

राजस्थान के माइनिंग सेक्टर का नवाचार नयी तकनीक और प्रावधानों से होंगे रुबरु

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। देश व प्रदेश के मिनरल एक्सप्लोरेशन विशेषज्ञों और वोल्क्यूमेट्रिक आकलन में ड्रोन सर्वे तकनीक विशेषज्ञों 16 जनवरी को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जुटेंगे। प्रमुख शासन सचिव माइंस, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत ने बताया कि प्रदेश में इस तरह का यह पहला व सकारात्मक प्रयास होगा जिसका सीधा लाभ प्रदेश के माइनिंग सेक्टर के साथ ही इस सेक्टर से जुड़े स्टेक होल्डर्स को भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य के सरकारी, सरकारी उपक्रमों के साथ ही निजी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

टी. रविकांत ने बताया कि कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रजेंटेशन के

माध्यम से राजस्थान के माइनिंग परिसर और वोल्क्यूमेट्रिक असेसमेंट से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इसके बाद विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिए जाने के साथ ही खुली चर्चा होगी। पहले एक्सप्लोरेशन पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिये जाएंगे वहीं लंच बाद के सेशन में ड्रोन सर्वे से संबंधित प्रस्तुतिकरण व अनुभवों को साझा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वोल्क्यूमेट्रिक ड्रोन सेशन के नोडल अधिकारी अतिरिक्त निदेशक माइंस बीएस सोडा को बनाया गया है और एक्सप्लोरेशन सेशन के लिए अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान आलोक प्रकाश जैन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 16 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की।

प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने बताया



कि केन्द्र सरकार के माइंस मंत्रालय के निदेशक द्वारा जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के संजय सिंह द्वारा क्रिटिकल व स्ट्रेटेजिक मिनरल सिनिरियों ऑफ राजस्थान, जीएसआई के ही उतम कुमार

प्रधान द्वारा पश्चिमी राजस्थान में पोटाश के भण्डार, हेदराबाद और बैंगलोर के विशेषज्ञों द्वारा मिनरल एक्सप्लोरेशन रणनीति पर मंथन होगा। एनएमईटी के जयंत गुप्ता द्वारा एक्सप्लोरेशन गतिविधियों पर एनएमईटी कोष का उपयोग, आरसीएम आईबीएम के चन्द्रेश कुमार बोहरा, क्यूसीआई एनएबीईटी के डॉ. ए.के. झा द्वारा एक्सप्लोरेशन लाइसेंस संबंधित प्रावधान साझा किये जाएंगे। एमईसीएल, इंडियन ब्यूरो ऑफ माइंस, एटोमिक मिनरल डिपार्टमेंट के साथ ही केन्द्र सरकार की एपेनल्टि निजी क्षेत्र की एक्सप्लोरेशन संस्थाएं और विभाग के अधिकारियों की भागीदारी तय की जा रही है।

रविकांत ने बताया कि वोल्क्यूमेट्रिक आकलन और खनिज प्रबंधन में ड्रोन तकनीकों के उपयोग पर लीज धारकों से सीधे संवाद में राजस्थान अप्रधान खनिज रियायती नियमों में ड्रोन सर्वे प्रावधान,

आइडिया फोर्ज द्वारा खनन में ड्रोन सर्वे का अनुप्रयोग, इंस्टाडिजाइन द्वारा ड्रोन से प्राप्त डेटा का खदान प्रबंधन में विशेषज्ञों द्वारा विश्लेषण, गरुड सर्वे द्वारा ड्रोन सर्वे के माध्यम से खनन में उतखनन का वोल्क्यूमेट्रिक आकलन और एपीएसएल साल्यूशन द्वारा उतखनन में ड्रोन सर्वे तकनीक और स्पेयर द्वारा डीजीसीए द्वारा ड्रोन सर्वे लाइसेंस के दिशा-निर्देश और प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विशेषज्ञों और स्टेक होल्डर्स को साझा मंच उपलब्ध कराने से प्रदेश के माइनिंग सेक्टर को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि आज प्रदेश का माइनिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है और प्रयास किये जा रहे हैं कि देश दुनिया की नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए लॉस माइनिंग सेक्टर को बढ़ावा दिया जा सके।

गुरुनानक बस्ती में मूंगफली, गजक व रेवड़ी बांटी



जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हिन्दी प्रचार समिति के तत्वावधान में तपोवन क्लबसेज, प्रगतिशील महिला विकास समिति एवं आंगनवाड़ी केन्द्र संख्या 45-ए गुरुनानक बस्ती में बच्चों-महिलाओं को लोहड़ी पर्व पर मूंगफली, गजक व रेवड़ी वितरित कर लोहड़ी व मकर संक्रांति की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। जगीरचन्द फरमा ने कहा कि लोहड़ी व तिल, मूंगफली, रेवड़ी आदि का वितरण करना पुण्य का कार्य है। मकर संक्रांति पर प्रत्येक व्यक्ति को जरूरतमंद की सहायता करनी चाहिए व दान अवश्य ही करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ. ओ.पी. गोयल, मनीराम सेतिया, जगीरचन्द फरमा, बलजीत सिंह राणा, पी.सी. गर्ग, मदनलाल जोशी, मदन अरोड़ा, सुरेन्द्र शर्मा अवतार सिंह मल्होत्रा, इंदुभूषण चावला, एम.एल. जैन का सराहनीय सहयोग रहा जिसके लिए समिति अध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। तपोवन क्लबसेज के प्रभारी गुमा जी, प्रगतिशील महिला विकाससमिति की अध्यक्ष सतोष विजयवर्गीय व गुरुनानक बस्ती आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता रजनी पुन्यानी ने समिति पदाधिकारियों व उपस्थित महापुरुषों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति ने लोहड़ी मनाई



जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति द्वारा मासिक बैठक एवं नववर्ष व लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में स्रेह मिलन समारोह हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित किया गया। सचिव हरपाल सिंह ने बताया कि सुखाडिंडी पार्क में हुए कार्यक्रम में ईश्वरीय वंदना से बैठक का प्रारम्भ किया गया तथा सबको लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व की शुभकामनाएं दी गईं। बैठक में समिति सदस्यों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गई तथा सर्दी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां रखने के लिए जागरूक किया गया। बैठक में 75 वर्ष सकुशल पूर्ण करने पर बनवारी लाल शर्मा को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ जनवरी माह में जन्मदिन वाले सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला विधिक चेतना समिति के नव मनोनीत सदस्य अर्जुन वधवा को शॉल ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। समिति के नये सदस्य ओमप्रकाश सचदेवा

एवं सुभाष भाटिया का माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस, कैरियर डे, लोहड़ी पर्व तथा मकर संक्रांति पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।

कार्यक्रम में लोहड़ी की पावन आनि प्रज्वलित की गई। इस कार्यक्रम में श्रीमती रजनी सक्सेना ने सुरीली व मधुर आवाज में गीतों के गायन से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सदस्यों ने लोहड़ी के लोकगीतों तथा हिंदी-पंजाबी गीतों पर नाच-गाकर भरपूर आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अर्जुन वधवा, सुरेन्द्र शर्मा तथा नरेंद्र कुमार शर्मा की अग्रणी भूमिका रही।

लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में कोषाध्यक्ष केके गांधी द्वारा सबके लिए सर्दियों का मेवा तिल, मूंगफली, रेवड़ी के साथ-साथ चाय-नारते की समुचित व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त राजपत्रित अधिकारी कल्याण समिति, श्रीगंगानगर के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

रामलला की पहली वर्षगांठ, लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व पर लगाया लंगर

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सामाजिक संस्था एक प्रयास... श्रीगंगानगर द्वारा श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम स्थित राम मंदिर में रामलला की पहली वर्षगांठ तथा राष्ट्रीय युवा दिवस, लोहरी व मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में विशाल लंगर लगाया गया। सुखाडिंडिया सर्किल के समीप स्थित पारस डायनोस्टिक सेंटर के सामने लगाए गए लंगर में सर्वप्रथम दुपहिया व चौपहिया वाहन चालकों तथा राहगीरों को गर्मगर्म पकोड़े तथा चाय का प्रसाद वितरित किया गया। तत्पश्चात् दाल, रोटी, सब्जी व हलवे का लंगर खिलाया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर प्रसाद ग्रहण किया तथा गर्म



राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) का दो दिवसीय प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 17 से

श्रीगंगानगर। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) का 61वां प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन नई धानमंडी श्रीगंगानगर में 17-18 जनवरी को होगा। सम्मेलन का शुभारंभ 17 जनवरी सुबह 11 बजे ध्वजारोहण से होगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संगठन के प्रदेशाध्यक्ष साथी महावीर सिहाग करेंगे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र सीकर के सांसद व अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुरागम होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, पूर्व विधायक राजकुमार गौड़, स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव चंद्र नवदीप भारती, माकपा के जिला सचिव

वकील सिंह, और श्रीगुरुनानक खालसा विधि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य चंद्रभानु त्यागी शामिल होंगे। ये जानकारी सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सम्मेलन संयोजक भूप

पत्रकारों को संबोधित करते हुए संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में जय किसान आंदोलन के संस्थापक प्रो. योगेंद्र यादव भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में



17 व 18 जनवरी को प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों शिक्षक शामिल होंगे। जिनके लिए प्रत्येक व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। 17 शाम को होगा कवि सम्मेलन: प्रदेश कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की समाप्ति के बाद शाम साढ़े छः बजे कवि सम्मेलन होगा। इसमें कवि संदेश त्यागी, अरुण शंहरिया, रूपसिंह राजपुरी, सुरेंद्र सुंदरम, कृष्ण कुमार आशू और रितु सिंह कविता पाठ करेंगे।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की समाप्ति के बाद शाम साढ़े छः बजे कवि सम्मेलन होगा। इसमें कवि संदेश त्यागी, अरुण शंहरिया, रूपसिंह राजपुरी, सुरेंद्र सुंदरम, कृष्ण कुमार आशू और रितु सिंह कविता पाठ करेंगे।

खाटू वाले श्याम, तेरा सच्चा दरबार है...

तीन दिवसीय मेला भव्य जागरण के साथ संपन्न

जनमार्ग न्यूज



श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्रीखाटू श्याम धाम मंदिर, सुदामानगर में हुए रात्रि जागरण में हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के समक्ष धोक लगाई। मंदिर के मुख्य सेवादार सदीप शेरवाला ने बताया कि इस कड़कड़ाती की ठंड में भी श्रद्धालुओं का मेला सायं 7 बजे से लगा , जो रात्रि 10:30 बजे तक अनवरत लगा रहा। शेरवाला ने बताया कि इस तीन दिवसीय मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के समक्ष नतमस्तक होकर धोक लगायी और अपनी मन्नत मांगी। मंदिर प्रांगण बाबा श्याम की जयकारों से गुंज उठा। शहर के सभी प्रमुख भजन प्रवाहक विशाल सोडा , दीपांशु शर्मा, पवन वर्मा , लविश चुग, विकी शर्मा, पवन चलाना, के के शर्मा व अन्य भजन गायकों ने ऐसी तान छेड़ी , की हर श्रद्धालु मदमस्त हो नृत्य करने लगा। मंदिर प्रांगण मानो वृंदवन सा बन गया था।बाबा श्याम का अद्भुत एवं विहंगम श्रृंगार सबको अपनी ओर खींच रहा था। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के भोग बाबा को लगाकर आए हुए श्रद्धालुओं में वितरित किए गए।

लंगर लगाकर लोहड़ी व मकर संक्रांति पर्व मनाया

रामलला की पहली वर्षगांठ पर जय श्रीराम के जयकारों से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। चाय व्यापार संघ, श्रीगंगानगर द्वारा श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम स्थित राम मंदिर में रामलला की पहली वर्षगांठ तथा राष्ट्रीय युवा दिवस, लोहरी व मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में विशाल लंगर लगाया गया। अध्यक्ष राधेश्याम बंसल के नेतृत्व में सोमवार सुबह नई धान मंडी स्थित कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय के सामने लगाए गए विशाल लंगर में चाय व्यापार संघ पदाधिकारियों व सदस्यों ने गर्मगर्म चाय तथा बिस्कुट व मठरी का लंगर प्रसाद वितरित किया गया। सुबह-सुबह सब्जी मंडी में आए व्यापारियों, श्रीमकों, सब्जी विक्रेताओं, रेहड़ी वालों तथा आमजन ने गर्मगर्म चाय पीकर तथा बिस्कुट व मठरी खाकर सर्दी से राहत महसूस की। इस मौके पर अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि चाय व्यापार संघ द्वारा व्यापारिक हितों की रक्षा करने के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक प्रकल्पों में भी अग्रणी भूमिका निभाई जा रही है। राजकीय चिकित्सालय स्थित अन्नपूर्णा रसोई घर में प्रतिमाह चायपती भेंट करने के साथ-साथ संस्था पदाधिकारियों व सदस्यों के



जन्मदिन तथा वर्षगांठ आदि शुभ अवसरों पर राजकीय चिकित्सालय स्थित अन्नपूर्णा रसोई घर में मरीजों व उनके परिजनों को भोजन खिलाया जाता है। इसके अलावा समय-समय पर रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधा रोपण भी किया जा रहा है। अनेक धार्मिक आयोजनों द्वारा समाज में सकारात्मक योगदान दिया जा रहा है, जिसकी सभी ने मुक्तकंठ से सराहना करते हुए चाय व्यापार संघ को साधुवाद दिया। इस मौके पर सभी ने रामलला की पहली वर्षगांठ पर जय

भारत विकास परिषद का रक्तदान शिविर कल

जनमार्ग न्यूज

गजसिंहपुर । भारत विकास परिषद शाखा गजसिंहपुर के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भारत विकास परिषद के सेवादायक महेश मंगल ने बताया कि स्वर्गीय गोपी राम मंगल की स्मृति में 21 वां रक्तदान शिविर का आयोजन श्री सत्यनारायण मंदिर में कल 14 जनवरी को मकर संक्रांति के उपलक्ष्य पर किया जा रहा है। रक्तदान शिविर का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा इस शिविर में विशेष रूप से तपोवन ब्लड बैंक श्रीगंगानगर द्वारा सेवाएं दी जाएगी जिसमें महिला व पुरुष बढ़-चढ़कर पर रक्तदान कर सकते हैं ।

उल्लासपूर्वक मनाया गया लोहड़ी पर्व, छात्राओं ने जमकर मचाया धमाल



जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। खुशियों व आनंद से भरपूर लोहड़ी पर्व आज स्थानीय अग्रवाल गर्ल्स कॉलेज में धूमधाम तरीके से मनाया गया। एल.सी. गौड़ शिक्षण व जनकल्याण ट्रस्ट के सदस्य श्रीमती मंजू गौड़, सचिव पीयूष गौड़, निधि गौड़ तथा निदेशक डॉ. ओ.पी. गुप्ता ने आंगन प्रज्वलित कर लोहड़ी समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या

में उपस्थित छात्राओं ने पंजाबी, राजस्थानी तथा हरियाणवी लोकगीतों पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत किये। महिला संकाय सदस्यों के नृत्य ने छात्राओं की खूब तालियां बटोरी। पंजाबी विभाग की व्याख्याता जसप्रीत कौर ने मंच संचालन किया जिनकी पंजाबी बोलियों ने सब का मन मोह लिया। निदेशक डॉ. ओ.पी. गुप्ता ने लोहड़ी व संक्रांति पर्व के साथ-साथ स्वामी विवेकानंद जयंती, अयोध्या के राममंदिर में

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ तथा आज से प्रयागराज में प्रारंभ होने वाले महाकुंभ की सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ. अरुण वत्स ने सभी को लोहड़ी पर्व के महत्व को समझाया। इस अवसर पर आज राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ. ममता शर्मा का केक काटकर जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया जिन्होंने सभी छात्राओं को अपनी ओर से एक-एक रिटर्न गिफ्ट भी भेंट किया।

प्रकृति के स्वरूप के साथ सूर्य की गति बदलने का उल्लास पर्व है- मकर संक्रांति। इस पर्व से जुड़ी हमारी प्यारी-मनोहारी सांस्कृतिक परंपराएं न केवल हमें स्वस्थ-ऊर्जावान रहने के लिए प्रेरित करती हैं। अपने घर, परिवार, रिश्तों, आस-पड़ोस और समाज से जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने का भी संदेश देती हैं। आइए आज इस पर्व को हम भी अपने के संग भरपूर उमंग-उल्लास के साथ मनाएं।

सबसे जुड़कर हंसी-खुशी मनाएं मकर संक्रांति



मकर संक्रांति देता है सेहत संवारने के सूत्र



वैसे तो मकर संक्रांति धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है। लेकिन इससे जुड़ी परंपराएं और गतिविधियां ऐसी हैं, जिनमें हमें अपनी सेहत संवारने के सूत्र भी मिलते हैं। इनके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

हमारे शरीर के संपर्क में आना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अब तो वैज्ञानिक भी इस बात को पुष्टि कर चुके हैं कि धूप में बैठने से शरीर को विटामिन-डी मिलता है। कई तरह के कीटाणु खत्म होते हैं और मन भी अवसाद से दूर रहता है। नौद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह प्राकृतिक उजास समग्र जीवन को संवर्तित है। मनोभावों में संतुलन लाती है। अवसाद और थकान को दूर कर ऊर्जावान जीवनचर्या से जोड़ती है।

मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल: सर्दियों का मौसम एक उठारवा लाता है। इसमें मन-स्वास्थ्य सहेजने में मदद करने वाली हैं। संतुलित दिनचर्या की अहमियत: यह त्योहार न केवल हमारे रहन-सहन, खान-पान और दिनचर्या में बदलाव लोकर आता है बल्कि

सेहत के लिए भी कई संदेश लिए हैं। गुनगुनी धूप वाली इस रत में हमारी दिनचर्या ही बदल जाती है। यह पर्व प्रकृति के जरिए स्वास्थ्य को सहेजने की सीख देता है। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तर दिशा में जाने से दिन बड़े होने लगते हैं और इसी के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है। मकर-संक्रांति से प्रकृति भी करवट बदलती है। ऊर्जा और उजास का यह पर्व, मौसम के बदलाव संग सामंजस्य बनाते हुए अनुशासित जीवन जीने की सीख देता है। वैज्ञानिक अध्ययन और चिकित्सकों की सलाह भी तन-मन को सहेजने के लिए संतुलित दिनचर्या को सबसे जरूरी बताते हैं। धूप की जरूरत पर ध्यान: इस पर्व पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। यह केवल मनोरंजन भर नहीं है। पतंग उड़ाने की यह रीत सेहत से भी जुड़ी है। खुले आसमान तले छत पर या मैदान में पतंग उड़ाना और सूर्य की किरणों का सीधे

मकर संक्रांति केवल एक पारंपरिक त्योहार भर नहीं है। यह सेहत बनाने और संवारने का पाठ भी पढ़ाता है। हालिया बरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होने के मायने हमने अच्छे से समझ लिए हैं। परंपरागत खान-पान और अच्छी जीवनशैली का महत्व भी अब और गहराई से समझ आया है। ऐसे में मकर संक्रांति जैसे पर्व से जुड़ी हमारी मान्यताएं, प्रयोगदार महिलाओं पर ही होता है। कोई मनमुटाव हो तो महिलाएं ही आपसी सहमति या मेल कराने के लिए पुल का काम करती हैं, एकजुट बने रहने के महत्व को समझती हैं। मकर संक्रांति का पर्व हर वर्ष यही संदेश लेकर आता है।

तन के साथ मन की शुद्धि मकर संक्रांति पर स्नान करने की परंपरा है। जिस तरह मकर संक्रांति पर स्नान की शुद्धि के लिए स्नान किया जाता है, उसी तरह मन को भी शुद्ध रखना आवश्यक है। मन का शुद्धिकरण होता है, नकारात्मकता और अन्य द्वेषपूर्ण विचारों को मन से

परित्याग करके। परिवार-समाज में रहते हुए कभी-कभी मन में ईर्ष्या, द्वेष, कड़वाहट की भावनाएं आ जाती हैं। सास-बहू के विचारों में टकराव, ननद-भाभी के बीच टकराव या पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक होना आम बात है। ये अवरोधक बनकर हमारे आगे खड़े हो जाते हैं। हमारे रिश्तों की बेल आगे बढ़ने से रोकती है। खुश रहने और सबसे मेल-मिलाप करने से रोकती है। इस तरह हमारे जीवन और रिश्तों में मायूसी, उदासी और अकेलेपन की बर्फ जम जाती है। लेकिन मकर संक्रांति मन का सारा मैल साफ कर मन में प्रसन्नता का उजास जगाने का अवसर है।

मा रतीय संस्कृति और परंपराओं में माघ, सूर्य की महिमा, स्तुति और उसकी ऊष्मा का गुणगान करने का माह है। माघ यानी मकर संक्रांति पर्व का मास। मकर संक्रांति सूर्य की आराधना का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस दिन सूर्य, धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और अगले छह मास तक पृथ्वी के उत्तरार्ध की ओर झुक जाता है। इस कारण धरती पर सूर्य की गर्मी अधिक पहुंचती है, प्रकृति में तेजी से नवसृजन होता है। इस नवसृजन का प्रभाव प्रकृति के हर जीव पर पड़ता है, चाहे वह सूक्ष्म हो या वृहदा। प्रकृति में हुए इस बदलाव का उत्सव मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है।

सेहत-स्वाद और आत्मीयता

मकर संक्रांति का पर्व तिलकूट, गजक, रेवड़ी, मूंगफली, खिचड़ी और लड्डुओं के स्वाद में सरोवार होकर आता है। संयुक्त परिवारों में अब भी मोठी संव, तिल और चावल के लड्डु बनाने के लिए बड़े-बड़े पतिले चूले पर चढ़ते हैं। घर की सारी महिलाएं विभिन्न प्रकार के लड्डु बनाने के लिए एकत्र होती हैं। हंसी-ठिठोली करते हुए सेहत और स्वाद से भरी चीजें कनस्तर भर-भर कर बना ली जाती हैं, समय का पता ही नहीं चलता। शहर में रहने वाली काम-काजी महिलाएं अगर घर पर संक्रांति के पकवान बनाने का समय नहीं निकाल पाती हैं तो बाजार से सारी चीजें खरीद लाती हैं या ऑर्डर देकर बनवाती हैं। फास्ट फूड के जमाने में भी देसी स्नेक्स के क्रेज को बरकरार रखने के पीछे हमारे घर की बड़ी-बूढ़ी महिलाओं का विशेष योगदान होता है। तभी तो संक्रांति आते ही बाजार

मकर संक्रांति का पर्व तिलकूट, गजक, रेवड़ी, मूंगफली, खिचड़ी और लड्डुओं के स्वाद में सरोवार होकर आता है। संयुक्त परिवारों में अब भी मोठी संव, तिल और चावल के लड्डु बनाने के लिए बड़े-बड़े पतिले चूले पर चढ़ते हैं। घर की सारी महिलाएं विभिन्न प्रकार के लड्डु बनाने के लिए एकत्र होती हैं। हंसी-ठिठोली करते हुए सेहत और स्वाद से भरी चीजें कनस्तर भर-भर कर बना ली जाती हैं, समय का पता ही नहीं चलता। शहर में रहने वाली काम-काजी महिलाएं अगर घर पर संक्रांति के पकवान बनाने का समय नहीं निकाल पाती हैं तो बाजार से सारी चीजें खरीद लाती हैं या ऑर्डर देकर बनवाती हैं। फास्ट फूड के जमाने में भी देसी स्नेक्स के क्रेज को बरकरार रखने के पीछे हमारे घर की बड़ी-बूढ़ी महिलाओं का विशेष योगदान होता है। तभी तो संक्रांति आते ही बाजार

सर्दियों के मौसम में अधिकतर लोग स्किन पर ड्राईनेस की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में ड्राई स्किन पर मेकअप करने के बाद भी ग्लो नहीं आ पाता है। इसलिए मेकअप को अट्रैक्टिव बनाने के लिए स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आपकी भी स्किन ड्राई है तो मेकअप करने से पहले कुछ आसान टिप्स अपनाकर चार्मिंग मेकअप लुक पा सकती हैं। यूज करें फेस वॉश: ड्राई स्किन होने के कारण कुछ लोग सर्दियों में फेस वॉश लगाना कम कर देते हैं, लेकिन आप ऐसा बिल्कुल न करें क्योंकि फेस को क्लीन करना बहुत जरूरी होता है। खासतौर पर मेकअप करने से पहले फेस वॉश करना न भूलें। ड्राईनेस

आज डिजिटलाइजेशन का दौर है। डिजिटलाइजेशन के अनेक फायदे हमें हमारे रोजमर्रा के जीवन में देखने को मिलते हैं। जैसे अब हमें अपने साथ कैश लेकन चलने की जरूरत नहीं होती। हर छोटे से लेकर बड़े दुकानदार, यहां तक कि सड़क पर सामान बेच रहे गुमटी वालों के पास भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा होती है, जिससे सेकेंडों में पेमेंट बड़ी ही आसानी से हो जाती है। इतनी सुविधाओं के बावजूद कई बार इससे नुकसान भी हमें उठाना पड़ सकता है, जब हम उनका उपयोग सावधानीपूर्वक नहीं करते हैं या उपयोग करते हुए लापरवाही बरतते हैं। ऑनलाइन क्राइम में से एक डिजिटल अरेस्ट भी है। इसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। क्या है डिजिटल अरेस्ट: डिजिटल अरेस्ट एक डिजिटल स्केम है, जिसके जरिए अपराधी, लोगों को डराकर लाखों-करोड़ों रुपए लूट लेते हैं। इसमें फोन करने वाला व्यक्ति कभी पुलिस, कभी सीबीआई, कभी आरबीआई, कभी नारकोटिक्स ब्यूरो के अधिकारी तो कभी इनकम टैक्स या एटीएस अधिकारी बनकर वाट्सएप या स्काइप कॉल

गजक, रेवड़ी और मूंगफली के आइडम से भर जाते हैं।

जुड़ाव का पर्व

मकर संक्रांति सिर्फ स्नान, ध्यान और प्रकृति से जुड़ने का पर्व नहीं है, यह रिश्तों से भी जुड़ने का समय होता है। देखा जाए तो यह पर्व हमें स्वाद से जोड़ने के साथ-साथ रिश्तों से भी जोड़ता है। गांव के उस आंगन और रसोईघर की स्मृतियां ताजी हो जाती हैं, जब संक्रांति के बहाने कई परिवारों का भोजन एक ही चूले पर पकता था। संक्रांति पर अक्सर पौष्टिक खिचड़ी, साग आदि चीजें बनाई जाती थीं। सबसे पहले बच्चे साथ मिलकर खाते थे। फिर घर के बड़ों को भोजन परसेसा जाता था। अंत में घर की सारी महिलाएं बोरसी की आंच के इर्द-गिर्द बैठकर भोजन करती थीं। कड़ाके की ठंड में भी आत्मीयता की आंच सबको ऊष्मा से भर देती थी। शहर में रहने वाले परिवार उन विछड़े दिनों को याद कर कई बार संक्रांति मनाने गांव की ओर चल पड़ते हैं तो कई परिवार अपने शहर के घरों में ही

संक्रांति के उल्लास का माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। पारिवारिक प्रेम और सहयोग की पवित्र भावना संक्रांति पर्व पर दिखती है।

दान की परंपरा

मकर संक्रांति पर नदियों में स्नान के बाद दान करने की परंपरा रही है। आज की बदली परिस्थितियों में छोटे-बड़े शहरों में भले ही नदियां नहीं हैं, लेकिन दान की परंपरा हर जगह बरकरार है। मकर संक्रांति के दिन महिलाएं तिल, मूंगफली, गजक और बेसन से बने सूखे व्यंजन अपनी काम वाली बाई, गेटकीपर, गाई जैसे लोगों को दान कर संक्रांति की



परंपराओं को जीवित रखे हुए हैं। मकर संक्रांति पर बेटों के ससुराल में त्योहारी पहुंचाने से लेकर चौक पर बैठे बुढ़िया और उनके दीन हीन बच्चों को गुड़, तिलकूट, रेवड़ी, मिठाई और कपड़े पहुंचाती हैं। सिर्फ संक्रांति पर ही नहीं, पूरे वर्ष घर-परिवार, पास-पड़ोस सबको वो देने का विशेष ख्याल रखती हैं। रिश्तों को समय, बच्चों को प्रेम, बड़ों को सम्मान, छोटों को मान महिलाएं ही तो देती हैं।

सूर्य से प्रेरणा लें

मकर संक्रांति का सूर्य हमें अपने जीवन में आशा, उमंग और ऊर्जा भरने की प्रेरणा देता है। धुंध और कोहरे में कई हफ्ते तक निरस्तेज रहने के बावजूद सूर्य अपनी आभा नहीं भूलता और चौदह जनवरी को मकर राशि में प्रवेश करता है। वैसे ही हमें भी कठिनाइयों के धुंध में पड़कर अपना विवेक, बुद्धि और हीसला नहीं छोड़ना चाहिए। मुश्किलों को अपने हीसले की नदी में विसर्जित करने का हुनर आज की स्त्री ने सीख भी लिया है। तभी तो वो दिन दूती, रात चौगुनी गति से नई ऊंचाइयों छू रही हैं। सूर्य के समान ही अपनी आभा बिखेर रही हैं।

सामूहिकता की संस्कृति

जैसा हम सब जानते हैं, मकर संक्रांति सामूहिकता

का पर्व है। यह सामूहिकता ही हमारे संस्कृति के मूल में है। हम समाज का हिस्सा हैं और सामूहिकता ही हमें जीवन जीने का उल्लास देती है। हम सभी मिल-जुल कर रहें। मिल-बांट कर खाएं। हमारे आस-पास कोई भूखा न रहे। कोई तकलीफ में न रहे और यदि किसी को भी हमारी जरूरत हो तो हम उसकी मदद को तत्पर रहें। एक तरह से देखा जाए तो सामूहिकता की संस्कृति को जीवित रखने में महिलाओं का बड़ा योगदान है। घर-परिवार को एक डोर में बांधने का सारा दायरामदार महिलाओं पर ही होता है। कोई मनमुटाव हो तो महिलाएं ही आपसी सहमति या मेल कराने के लिए पुल का काम करती हैं, एकजुट बने रहने के महत्व को समझती हैं। मकर संक्रांति का पर्व हर वर्ष यही संदेश लेकर आता है।

तन के साथ मन की शुद्धि

मकर संक्रांति पर स्नान करने की परंपरा है। जिस तरह मकर संक्रांति पर स्नान की शुद्धि के लिए स्नान किया जाता है, उसी तरह मन को भी शुद्ध रखना आवश्यक है। मन का शुद्धिकरण होता है, नकारात्मकता और अन्य द्वेषपूर्ण विचारों को मन से परित्याग करके। परिवार-समाज में रहते हुए कभी-कभी मन में ईर्ष्या, द्वेष, कड़वाहट की भावनाएं आ जाती हैं। सास-बहू के विचारों में टकराव, ननद-भाभी के बीच टकराव या पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक होना आम बात है। ये अवरोधक बनकर हमारे आगे खड़े हो जाते हैं। हमारे रिश्तों की बेल आगे बढ़ने से रोकती है। खुश रहने और सबसे मेल-मिलाप करने से रोकती है। इस तरह हमारे जीवन और रिश्तों में मायूसी, उदासी और अकेलेपन की बर्फ जम जाती है। लेकिन मकर संक्रांति मन का सारा मैल साफ कर मन में प्रसन्नता का उजास जगाने का अवसर है।



परित्याग करके। परिवार-समाज में रहते हुए कभी-कभी मन में ईर्ष्या, द्वेष, कड़वाहट की भावनाएं आ जाती हैं। सास-बहू के विचारों में टकराव, ननद-भाभी के बीच टकराव या पति-पत्नी के बीच नोक-झोंक होना आम बात है। ये अवरोधक बनकर हमारे आगे खड़े हो जाते हैं। हमारे रिश्तों की बेल आगे बढ़ने से रोकती है। खुश रहने और सबसे मेल-मिलाप करने से रोकती है। इस तरह हमारे जीवन और रिश्तों में मायूसी, उदासी और अकेलेपन की बर्फ जम जाती है। लेकिन मकर संक्रांति मन का सारा मैल साफ कर मन में प्रसन्नता का उजास जगाने का अवसर है।

सर्दियों में जब करना हो ड्राई स्किन पर मेकअप



कम करने के लिए आप हाइड्रेटिंग या वाटर बेस्ड फेस वॉश यूज कर सकती हैं। स्किन पर करें मसाज: अपने नोटिस किया होगा कि ड्राई स्किन पर कई बार मेकअप के बाद क्रेक दिखने लगते हैं, जिससे स्किन सूख दिखने लगती है। ऐसे में आप जब भी मेकअप करें, उससे पहले किसी अच्छे मॉइश्चराइजर से हल्की-सी मसाज कर लें। मसाज के बाद फेस को हाथों

से थपथपा लें। इससे चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है और स्किन साफ हो जाती है। ऐसा करने से मेकअप अच्छी तरह सेट हो जाता है और स्किन ड्राई नहीं रहती है। इससे मेकअप अपीलिंग दिखता है। लिक्विड फाउंडेशन-प्राइमर: विंटर सीजन में ड्राई स्किन पर हमेशा मसाज के बाद प्राइमर जरूर लगाएं। फिर ब्रौमी लिक्विड फाउंडेशन का यूज करें। इससे आपकी स्किन

ग्लो करने लगेगी और उस पर जब आप मेकअप करेंगी तो अच्छा रिजल्ट दिखेगा। मेकअप प्रोडक्ट हों ग्लासी: विंटर सीजन में स्किन ड्राईनेस को देखते हुए ग्लासी मेकअप करना अच्छा ऑप्शन है। मेकअप प्रोडक्ट्स में विटामिन-ई, विटामिन-ए, विटामिन-सी और एंटी ऑक्सिडेंट्स होने चाहिए। कंसोलर और फाउंडेशन भी विटामिन-सी और विटामिन-ई युक्त होने चाहिए। इनसे स्किन ज्यादा ग्लो करती है और मेकअप भी निखर उठता है। लूज पावडर यूज ना करें: विंटर सीजन में मेकअप करने के दौरान ड्राई स्किन पर लूज पावडर का यूज बिल्कुल न करें, इससे आपका फेस और भी ड्राई नजर आने लगेगा। ये आपके मेकअप का सारा लुक खराब कर सकता है। इसलिए विंटर सीजन में लूज पावडर को अवॉइड करना सही होगा। (मेकअप आर्टिस्ट ममता खन्ना से बातचीत पर आधारित)

यह सही है कि आज अधिकतर लोग माग-टौड गरी जीवनशैली जीते हैं। लेकिन हर काम, हर बात में जल्दबाजी या हड़बड़ी दिखाना सही नहीं है। ऐसा 'हरी सिकनेस' की वजह से हो सकता है। 'हरी सिकनेस' की मानसिकता से बचने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

इतनी जल्दी किस बात की है...

दी पा हर वक्त मानो पायलट मोड में रहती है। इसलिए उसके घर वाले उसे हड़बड़ीया कहते हैं। उसके पति उसे फटफटिया यानी फटाफट काम करने वाली कहते हैं। दरअसल, दीपा कोई भी काम हाथ में आते ही उसे जल्दी से जल्दी खत्म करने की कोशिश करती है, मानो कोई अर्वाइड हासिल करना हो। वह हर किसी को कहती है, 'मेरे पास कोई काम कभी पॉइंट नहीं रहता।' इसी तरह का एक और उदाहरण-मनीषा को कहीं से न्यौता मिल जाए या किसी के साथ अपॉइंटमेंट हो तो वह नियत समय से एक-डेड घंटा पहले से ही तैयार हो कर इधर-उधर टहलना शुरू कर देती है। किसी तरह से वक्त होने का इंतजार करती है। कई बार तो समय से काफी पहले ही घर से निकल पड़ती है। हर वक्त हड़बड़ी में रहने के ऐसे लक्षण बताते हैं कि आप 'हरी सिकनेस' के शिकार हैं।



काम को करत वक्त उड़िमत, चिंता या हड़बड़ी महसूस करता है। जब तक वो किसी भी तरह काम को कर नहीं लेता, तब तक बेचैन रहता है। पास में काफी समय हो तो भी व्यक्ति उस काम को जल्दी में करने की चिंता में रहता है। हरी सिकनेस के लक्षण: हरी सिकनेस का शिकार व्यक्ति अक्सर जल्दी-जल्दी बोलता है, इतनी जल्दी कि शब्द भी ठीक से उच्चारित नहीं

हाल के वर्षों में ऑनलाइन फ्रॉड के नाए तरीके डिजिटल अरेस्ट के मामले अक्सर देखने-सुनने को मिलने लगे हैं। इसमें जरा सी असावधानी से आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। इससे बचने के लिए यहां बताई जा रही बातों का ध्यान रखें।

डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधान



करता है। वो कुछ इस तरह से बात करता है कि असली अधिकारी लगता है। यहाँ से डिजिटल अरेस्ट का खेल शुरू होता है। वे लोग व्यक्ति को मॉटेली डराते-धमकाते हैं। वे कॉल पर कनेक्ट व्यक्ति को इस बात का यकीन दिलाते हैं कि उनके साथ या उनके परिजनो के साथ बहुत बुरा हो सकता है क्योंकि वे ड्रग्स, मनी लॉर्डिंग, अवैध पासल, सेक्स रैकेट या फिर किसी ऐसे मामले में फंस गए हैं, जिस वजह से उन पर कानूनी

कार्यवाही होना निश्चित है। ऐसे में ज्यादातर लोग डर जाते हैं, उनके जाल में फंसेते चले जाते हैं और फिर जैसे-जैसे वे कहते हैं, वो करने लगते हैं। इसे ही कहते हैं डिजिटल अरेस्ट। डिजिटल अरेस्ट से बचने के तरीके: कुछ बातों का ध्यान रखकर और कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर आप बहुत हद तक स्वयं को डिजिटल अरेस्ट से बचा सकते हैं। अननोन कॉल को इग्नोर करें: जब भी किसी अननोन नंबर या मेल आईडी से कॉल या ई-मेल के जरिए संदेश आए कि आप या आपके परिजन ड्रग्स, मनी लॉर्डिंग, सेक्स स्कैडल या चोरी जैसे आपराधिक मामले में लिप्त पाए गए हैं या जांच के दायरे में आ रहे हैं तो ऐसे कॉल या ई-मेल को और ध्यान न

चोरियों व नशे के खिलाफ धरना 23 को मीरा कन्या कॉलेज सरकारीकरण की प्रक्रिया विचाराधीन

श्री कुंडिया सारस्वत समाज समिति सूरतगढ़ की कार्यकारणी की बैठक संपन्न

सूरतगढ़। श्री कुंडिया सारस्वत समाज समिति की बैठक अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वत की अध्यक्षता में ब्राह्मण धर्मशाला में संपन्न हुई। सचिव श्याम सुंदर कायल ने बताया कि पधारे हुए सभी कार्यकारणी सदस्यों ने डॉक्टर महावीर सारस्वत व श्रीकांत सारस्वत को लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने के लिए धन्यवाद दिया व बधाई दी तथा डॉ महावीर सारस्वत को अध्यक्ष बनने पर स्वागत किया। बैठक में निर्माण कमेटी अध्यक्ष एडवोकेट रामस्वरूप तावनिया ने संबोधन में बताया हम सूरतगढ़ के समस्त सारस्वत समाज को साथ लेकर श्री कुंडिया सारस्वत समाज की भव्य धर्मशाला का निर्माण करेंगे। अनंतराम कायल ने समाज के सामने धर्मशाला में बनी हुई दुकानों के संबंध में विस्तार से अपनी बात रखी। एडवोकेट श्रीकांत सारस्वत ने कार्यकारणी के सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से समाज के अध्यक्ष बने हैं डॉ महावीर सारस्वत को बधाई देते हुए तन मन धन से सहयोग देने का वादा किया तथा उनके नेतृत्व में समाज हित में अच्छे कार्य हो ऐसी अपेक्षा की तथा उन्होंने समाज को विश्वास दिलाया है कि मेरे जो घोषणा पत्र में जो एजेंट थे उनमें मैं आज भी कायम हूँ तथा उन्होंने कार्यकारणी में विस्तार के संबंध में भी अपने सुझाव दिए। उपाध्यक्ष

भादरराम ओझाईया ने कार्यकारणी को संबोधित करते हुए बताया कि लोकतांत्रिक तरीके से चुने हुए अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वत को उप रजिस्ट्रार श्रीगंगानगर में समाज के ही कुछ भी विप्रजन द्वारा अवैध घोषित करवाने की कोशिश की जा रही है

श्यामसुंदर कायल ने बैठक में पास हुए एजेंडा को बताया की 23 फरवरी 2025 को कार्यकारणी का शपथ ग्रहण व समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का समारोह किया जाएगा, धर्मशाला का निर्माण जो रुका हुआ है उसे पुन शुरू किया जाएगा,

काम किया जाएगा,सूरतगढ़ विधानसभा में समाज जो? अभियान के तहत सदस्य बनाए जाएंगे, कार्यकारणी का विस्तार करते हुए एक्टिव सदस्य और कार्यकारी में लिए जाएंगे। इन सभी एजेंडा को कार्यकारणी ने हाथ उठाकर समर्थन देकर पास किया।



जिसकी समाज निंदा करता है। लीलाधर सारस्वत ने पूर्व में समाज को एकजुट करने के प्रयास को बताया कि किस तरीके से समाज को एकजुट करने का काम किया। कोषाध्यक्ष रमेश कायल ने भी समाज के सामने बात रखते हुए कहा कि जब तक नव नियुक्त अध्यक्ष व उनकी कार्यकारणी का उप रजिस्ट्रार ऑफिस में कार्यकारणी का पंजीकृत नहीं हो जाता जब तक हम किसी प्रकार से पैसे का लेनदेन नहीं करेंगे।सचिव

उप-रजिस्ट्रार में समिति की कार्यकारणी का विस्तार किया जाएगा, पूर्व अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष से चंदे का हिसाब व समिति के समस्त कागज लिये जायेंगे, डॉ अंकित जवरिया व शहर में हो रही चोरियों और नशे के खिलाफ दिनांक 23 जनवरी 2025 को पुलिस थाने के सामने 1 दिन का धरना दिया जाएगा, श्री कुंडिया सारस्वत समाज की निर्माणधीन धर्मशाला में अन्य समाज को जो दुकान दे रखी है उसे खाली करवाने का

अध्यक्ष डॉ महावीर सारस्वत ने पधारे हुए समस्त कार्यकारणी के पदाधिकारी व सदस्यों का प्रथम बैठक में पधारने पर धन्यवाद दिया तथा सभी से वादा किया कि पूरे सारस्वत समाज को साथ लेकर धर्मशाला का भव्य निर्माण करेंगे तथा सदस्य अभियान में जो चंदा आया उसका हिसाब समाज के सामने रखा।

बैठक में राम कुमार तावनिया, रामस्वरूप तावनिया, रतनलाल सारस्वत, सत्यनारायण सारस्वत, वेद प्रकाश शर्मा,लीलाधर सारस्वत महावीर ओझाईया,पवन ओझाईया,श्री शंकर कौशिक,श्रीकांत सारस्वत, शंकर ओझा, चिरंजी लाल ठाकरानी,बलदेव राज ठाकरानी, पवन मोट, पवन ओझाईया,श्री भगवान मोट,मुकेश तावनिया,कृष्ण लाल शर्मा,लालचंद ओझा, मांगीलाल मोट,धनराज तावनिया,बद्री प्रसाद बनानी, रतन मोट,राम रतन बनानी,शिव शंकर ओझाईया,नरेंद्र ओझा,मुखराम ओझाईया,भीम जवरिया व अन्य उपस्थित थे।

एमओयू हस्ताक्षरित नहीं होने के कारण, पूर्ण नहीं हुई राजकीयकरण की प्रक्रिया समस्त कार्यों के लिए प्रबन्ध समिति दायित्वधीन : संयुक्त निदेशक

जनमार्ग न्यूज

संगरिया। राज्य सरकार की ओर से मीरा कन्या महाविद्यालय के पूर्णरूपेण राजकीयकरण के सम्बन्ध में पुनः बाधा उत्पन्न हो गई है। शिक्षा सत्र 2024-25 में महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ न होने के कारण महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की गई। जिसके उत्तर में 29 अक्टूबर 2024 को राज्य सरकार की ओर से न्यायालय को यह अवगत करवाया गया कि प्रबन्ध समिति द्वारा एमओयू हस्ताक्षर न करने के कारण राजकीयकरण की प्रक्रिया पूर्ण रूपेण सम्पन्न नहीं हो सकी है तथा लम्बित है। ऐसे ही तथ्य राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालय को वर्ष 2013 से राजकीय महाविद्यालय का दर्जा प्राप्त होने, महाविद्यालय के कर्मचारियों को राज्य सरकार में समायोजन तथा वेतन दिए जाने के सम्बन्ध में संजय आर्य तथा डॉ. हरमन्दर गर्वा द्वारा प्रस्तुत अलग-अलग लम्बित याचिकाओं में इसी तथ्य को दोहराया गया है।

इस सम्बन्ध में 7 जनवरी 2025 को महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. रामपाल अहरोदिया कार्यवाहक प्राचार्य राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय हनुमानगढ़ ने सचिव मीरा कन्या महाविद्यालय को पत्र प्रेषित करते हुए वह कार्यालय टिप्पणी प्रेषित की है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि मीरा कन्या महाविद्यालय को राजकीय महाविद्यालय में परिवर्तित किए जाने की घोषणा की गई थी। परन्तु अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण नहीं होने के कारण संस्था का पूर्णरूपेण राजकीयकरण नहीं हो सका है। वर्तमान में उक्त

प्रकरण निवर्तमान राज्य सरकार द्वारा अन्तिम छः माह में लिए गए निर्णयों की समीक्षा में समीक्षाधीन है। वर्तमान में उक्त संस्था निजी महाविद्यालय के रूप में संचालित है। संस्था के समस्त कार्यों का दायित्व सम्बन्धित प्रबन्ध समिति का है। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व राज्य सरकार द्वारा प्राचार्य राजकीय नेहरू मेमोरियल महाविद्यालय हनुमानगढ़ को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए निदेश दिए गए थे कि वह अपने स्टाफ में से महाविद्यालय के लिए प्रभारी नियुक्त कर प्रवेश अध्ययन एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का संचालन करें।

महाविद्यालय के राजकीय अधिग्रहण से सम्बन्धित रहे पूर्व सचिव संजय आर्य ने कहा कि राज्य सरकार का यह आदेश न केवल स्वयं के पूर्व में पारित आदेशों के विपरीत है अपितु माननीय उच्च न्यायालय के मीरा कन्या महाविद्यालय के राजकीयकरण के सम्बन्ध में पारित आदेशों के प्रति अवमाननाकारी है। जिसके लिए अलग से कार्यवाही संस्थित की जा रही है। उन्होंने इस बात पर अफसोस व्यक्त किया कि प्रबन्ध समिति ने जानबूझकर राजकीयकरण की प्रक्रिया को लम्बित रखा और वर्तमान सरकार पूर्व की भांति महाविद्यालय के नौजिकरण के रास्ते पर निर्णयों की पुनः समीक्षा कर रही है, जो छात्राओं की सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का कुटराधात है।

जनमार्ग पढ़ें ताजा खबरें ज्यादा खबरें

एसजीएन खालसा कॉलेज में लोहड़ी मनाई



जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। एसजीएन खालसा कॉलेज, जंक्शन में लोहड़ी महोत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य अग्नेय सिंह भुल्लर, मलकीत सिंह मान और प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सेवता ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए विधिवत लोहड़ी की पूजा-अर्चना की और लोहड़ी प्रज्वलित की। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पारंपरिक गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रस्तुतियों में पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों के जोश और उत्साह ने पूरे माहौल को उल्लासमय बना दिया। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. बलदेव सेवता ने लोहड़ी महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोहड़ी हमारे पारंपरिक त्योहारों में से एक है, जो नई फसल की खुशी, समृद्धि और उत्साह का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य युवा पीढ़ी में परंपरा और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. सेवता ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में सहायक होते हैं।

ग्रेविटी इंस्टीट्यूट में आयोजित स्कॉलरशिप परीक्षा, 2700 विद्यार्थियों ने लिया भाग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रविवार को द ग्रेविटी इंस्टीट्यूट, जंक्शन में चौथी बार आयोजित ग्रेविटी स्कॉलरशिप परीक्षा में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा में टाउन, जंक्शन, संगरिया और पीलीबंगा क्षेत्र से कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं विज्ञान वर्ग के 2700 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ग्रेविटी इंस्टीट्यूट के संस्थापक प्रदीप पचार व निदेशक कैलाश सीरवी और प्रेम कुमार ने जानकारी दी कि यह परीक्षा विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। चौथी बार आयोजित इस परीक्षा के लिए विद्यार्थी ठंड के मौसम के बावजूद बेहद उत्साहित दिखे। परीक्षा के आयोजन में विद्यार्थियों की संख्या और उनकी रुचि इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा के प्रति उनका झुकाव निरंतर बढ़ रहा है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करना है। निदेशक मंडल ने बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से लगभग 1 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप वितरित की जाएगी। यह स्कॉलरशिप उन विद्यार्थियों को दी

जाएगी, जो नीट और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। मैंनेजमेंट हेड मनोज चौधरी व दीनदयाल ने कहा कि द ग्रेविटी इंस्टीट्यूट का उद्देश्य हनुमानगढ़ जिले को शिक्षा के क्षेत्र में एक

मील का पत्थर साबित हो सकता है। इस पहल से न केवल प्रतिभावान छात्रों को आर्थिक सहायता मिलेगी, बल्कि उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने भी इस



अग्रणी स्थान दिलाना है। उन्होंने बताया कि संस्थान की टीम कड़ी मेहनत कर रही है ताकि जिले के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। संस्थान का मानना है कि इस प्रकार की परीक्षाएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ावा देती हैं। ग्रेविटी स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में एक

प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह की परीक्षाएं उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करती हैं। हनुमानगढ़ जिले में द ग्रेविटी इंस्टीट्यूट के इस प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन और अवसर दिए जाएं, तो यहां के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध : दाधीच



जनमार्ग न्यूज

रावतसर। राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की दिशा में बंपर भर्ती खोली गई है। किसा हदन, मजदूर व व्यापारी सभी के हितों का व्यापक ध्यान रखा जा रहा है। यह बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने आज रावतसर प्रवास के दौरान आयोजित स्वागत समारोह में कही। पीलीबंगा जाते समय नोखा विधायक बिहारीलाल बिस्नोई के साथ यहां पहुंचे दाधीच का स्थानीय विप्र समाज व व्यापारी वर्ग की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र पारीक व भाजपुमो जिला अध्यक्ष सुशील जोशी का भी अभिनंदन किया गया। इस दौरान भाजपा नेत्री किरण मेघवाल, नरेश शेरडा, निरंजन दाधीच, विनोद गुरु चुरु, पालिका अध्यक्ष सोना देवी, उपाध्यक्ष हेमंत पचार, सुरेंद्र पुरोहित, विष्णु जोशी, विप्र समाज के छगन जोशी, मदन पारीक, दिलीप छीपा, हरिकृष्ण पचार, पार्षद सुखराम छिपा, महावीर सुड्डा, श्याम पारीक, अरविंद जोशी, भजनलाल पंचरिया, राकेश शास्त्री सहित काफी संख्या में गणमान्यजन मौजूद रहे।

नेहरू युवा केंद्र द्वारा अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य समापन



जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा युवा दिवस के अवसर पर आयोजित अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य और समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस कार्यक्रम ने युवाओं के व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य को साकार किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सेवानिवृत्त आईजी गिरीश चावला, कार्यक्रम अध्यक्ष टिब्बी उपखंड अधिकारी सत्यनारायण सुथार, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद डॉ. सुमन चावला और सीक्रेट हार्ट स्कूल की प्रधानाचार्या नीना वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में

जिले के 28 युवाओं ने भाग लिया, जिन्हें जिले के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहरों का अवलोकन कराने के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर व्याख्यान और परिचर्चाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

मुख्य अतिथि गिरीश चावला ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, युवा देश का भविष्य हैं, और देश का विकास उनकी सोच और कर्मठता पर निर्भर करता है। अगर युवा सशक्त और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करेंगे, तो देश किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपनी ऊर्जा और मूल्यों का उपयोग समाज को सशक्त बनाने में करें। कार्यक्रम अध्यक्ष सत्यनारायण सुथार ने राजस्थान

की विविध संस्कृति और वेशभूषा पर चर्चा करते हुए कहा, राजस्थान अपनी सांस्कृतिक धरोहर और विविध परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। हर 50 किलोमीटर पर यहां की बोली, पहनावा और रहन-सहन बदलता है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं को इन विविधताओं को समझने और आपसी सौहार्द को बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। शिक्षाविद डॉ. सुमन चावला ने महिलाओं की आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए कहा, आज के समय में महिलाओं का सशक्त और आत्मनिर्भर होना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें अपनी भावनाओं और क्षमताओं पर नियंत्रण रखते हुए समाज में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाना चाहिए।



व्यापार मंडल कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन में सोमवार को व्यापार मंडल कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जयंती का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके योगदान से प्रेरित करना था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर नीलम गौड़, व्यापार मंडल बालिका माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती संजू गाडगियां, और एनएसएस प्रभारी श्रीमती अनु मुंजल ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेविकाओं की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीलम गौड़ ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में युवाओं के लिए कई महत्वपूर्ण संदेश दिए, जिनमें आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास, और सामाजिक सेवा की भावना प्रमुख हैं। उनका कहना था कि युवा समाज की रीढ़ हैं और उनके भीतर असीमित शक्तियां छिपी होती हैं। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और समाज के कल्याण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उनका संदेश था कि उठो, जागो और तब तक नहीं रुकना जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स 2025 की परीक्षा का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स स्कीम के तहत भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के

द्वारा सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स परीक्षा-2025 राजस्थान के 26 केन्द्रों पर संपन्न कराई गई। हनुमानगढ़ में इस परीक्षा के आयोजन हेतु भारतीय सिंधु सभा राजस्थान न्यास के पदाधिकारी एवं परीक्षा संयोजक मंडल के सदस्य महामंत्री ईश्वर मोरवानी व बीकानेर संभाग प्रभारी मानसिंह मामनानी व पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष खजान चन्द शिवनानी उपस्थित रहे। जिला परीक्षा प्रभारी धनश्याम दास मेघवानी ने बताया की राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली की ओर से तीन प्रकार के कोर्स करवाए जाते हैं- सिन्धी सर्टिफिकेट कोर्स, सिन्धी

डिप्लोमा कोर्स और सिन्धी एडवांस डिप्लोमा कोर्स। जिनकी सिन्धी भाषा अध्ययन केन्द्र पर एक अक्टूबर से लेकर 31 दिसंबर तक कक्षाएं नियमित रूप चलाई जा रही थी और निर्धारित

पाठ्यक्रम को पूर्ण करवाया गया। आज स्थानीय शिशु शिक्षा सदन उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिन्धी मोहल्ला में इनकी फाइनल परीक्षा हुई जिसमें 280 विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया हुआ था जिसमें से 211 बच्चे उपस्थित रहे। सभी परीक्षार्थियों को भारतीय सिंधु सभा एवं पूज्य सिंधी पंचायत हनुमानगढ़

टाउन के द्वारा पुरस्कार भी दिया गया। इस परीक्षा का अवलोकन पूज्य सिंधी पंचायत व भारतीय सिंधु सभा के पदाधिकारियों बालकेशन करमचंदानी, सुनील गंगवानी, प्रदीप ज्ञानानी, मुरलीधर

सखीजा, धर्मदास सावलानी, वीरेंद्र काररानी के साथ-साथ शिक्षामित्र मधु गांधी, करुणा केसवानी, विद्या साखीजा, अंशिका, प्रिया, रीना गेहानी, प्रियांशु,रितु खत्री, पूजा बाबानी, चांदनी आसवानी, अशोक खेमनानी, अनिल भगनानी आदि उपस्थित ने सहयोग किया।

नगर परिषद ने चीनी माझा की बिक्री वाली दुकानों पर छापा मारी

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को नगर परिषद द्वारा जिला कलेक्टर के आदेशानुसार मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी महोत्सव को देखते हुए बाजार में चीनी माझा की बिक्री वाली दुकानों पर छापेमारी की गई। इस अवसर पर नगर परिषद ने चीनी माझा, जिसे पाबंदी के बावजूद बाजार में बेचा जा रहा था, पर छापेमारी की और कई दुकानों से यह प्रतिबंधित सामग्री बरामद की। यह कार्रवाई जिले में सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए की गई, क्योंकि चीनी माझा का इस्तेमाल पतंगबाजी में खतरे का कारण बनता है। नगर परिषद की स्वच्छता अधिकारी प्रेमलता पूरी और स्वच्छता अधिकारी जगदीश सिराव ने इस छापेमारी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि मकर संक्रांति के समय पतंग उड़ाने का उत्साह सभी में होता है, लेकिन इसका सही तरीके से आनंद लिया जाना चाहिए। चीनी माझा, जो कांच और अन्य खतरनाक सामग्री से बना होता है, वह न केवल इंसानों के लिए खतरनाक होता है, बल्कि यह पक्षियों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है। इसके अलावा, चीनी माझा पर्यावरण में भी हानिकारक प्रभाव डालता है, क्योंकि यह

प्लास्टिक की तरह नष्ट नहीं होता है। नगर परिषद ने विभिन्न दुकानों पर छापेमारी की और वहां से चीनी माझा जब्त किया व जूमाना लगाया गया। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि भविष्य में चीनी

इसके अलावा, यह भी बताया गया कि पतंगबाजी के लिए सुरक्षित और पर्यावरण मित्र माझा ही इस्तेमाल किया जाए, जो किसी प्रकार से हानिकारक न हो।

यह अभियान शहर में विभिन्न स्थानों पर चलाया गया और नगर परिषद की टीम ने सुनिश्चित किया कि इस छापेमारी के दौरान सभी दुकानों में उचित निगरानी रखी जाए। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि यदि उन्होंने भविष्य में इस प्रकार की सामग्री बेची तो उन पर जुर्माना लगाया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि उनका उद्देश्य न केवल मकर संक्रांति के दौरान लोगों को सुरक्षित रखना है, बल्कि शहर में पर्यावरण की सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ावा देना भी है। नगर परिषद की इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय जनता में मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ लोगों ने इसे उचित कदम बताया, जबकि कुछ ने इसे जरूरत से ज्यादा सख्ती माना। हालांकि, यह स्पष्ट है कि इस प्रकार की छापेमारी से चीनी माझा की बिक्री पर नियंत्रण पाया जा सकता है, जिससे न केवल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी, बल्कि यह पर्यावरण को भी नुकसान से बचाएगा। इस प्रकार की कार्रवाइयों यह दिखाती हैं कि नगर परिषद और

माझा बेचा गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नगर परिषद के कर्मचारियों और स्वच्छता निरीक्षक नवल किशोर सहित नगर परिषद की टीम ने मौके पर मौजूद रहकर आवश्यक कार्रवाई की और दुकानदारों से समझाइश की।

जिला प्रशासन मकर संक्रांति के पर्व को सुरक्षित और स्वच्छ तरीके से मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कदम शहरवासियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक सकारात्मक पहल है, जो भविष्य में और अधिक कारगर साबित हो सकती है।

भाट समाज का राज्य स्तरीय सम्मेलन संपन्न



जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भाट समाज का राज्य स्तरीय सम्मेलन महाराष्ट्र के शेगांव में भव्य आयोजन के साथ संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देशभर से भाट समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों और समाजबंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में समाज की एकता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति, और युवाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष रामप्रताप उर्फ प्रकाशनाथ ने समाज में समरसता और जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज को शिक्षित और संगठित बनाना समय की मांग है। नशामुक्त समाज बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। कार्यक्रम में युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं को रोजगार, शिक्षा और वैवाहिक मामलों में मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही, महिला शिक्षा और सशक्तिकरण पर विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। सम्मेलन में भाट समाज की समारिका और सत्य मेव न्यूज पाश्चिक समाचार पत्र का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मान्यतापूर्ण राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मलराव ने महिलाओं की भागीदारी और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार रखे।

लोहड़ी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। रेयान कॉलेज फॉर हायर एज्युकेशन में सोमवार को लोहड़ी महोत्सव बड़े धूमधाम और उत्सव के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के निदेशक करणवीर चौधरी और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष राजपुरोहितउपप्राचार्य अनिल शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके पश्चात लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित कर पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक सुमीना यादव ने बताया कि महाविद्यालय में हर वर्ष लोहड़ी महोत्सव का आयोजन आपसी सौहार्द और भाईचारे को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जाता है। इस वर्ष भी विद्यार्थियों और स्टाफ के उत्साह ने इस आयोजन को विशेष बना दिया।

प्राचार्य डॉ. संतोष राजपुरोहित



ने लोहड़ी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह त्योहार नई फसल, खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। साथ ही, उन्होंने ईश्वर आ, दरिद्र जा- पंक्ति का महत्व समझाते हुए इसके पीछे छिपी भावार्थ को सरल शब्दों में विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक गीतों और नृत्य ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। छात्राओं की इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बंदी और सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोहड़ी

की पूजा के बाद पारंपरिक रेवड़ी, मूंगफली और गजक बांटी गई, जिससे त्योहार का आनंद और बढ़ गया। कार्यक्रम का समापन सभी के सामूहिक नृत्य और गीतों के साथ हुआ, जिसमें महाविद्यालय के समस्त सदस्य शामिल हुए। इस आयोजन ने सभी को एकता और सांस्कृतिक धरोहर के महत्व का अनुभव कराया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत दो वाहनों के चालान काटे एक मोटरसाइकिल को सीज किया, 50 वाहनों के रिफ्लेक्टर लगाए



जनमार्ग न्यूज

घमंडिया। सड़क सुरक्षा माह के तहत सोमवार को रिडमलसर चौकी पुलिस ने निरवाना घमंडिया मुख्य सड़क के 79 एलएनपी द्वितीय बस स्टैंड पर आने वाले वाहनों को रिफ्लेक्टर लगाए। इस मौके पर एएसआई सुरेश चंद्र मीणा मीणा, कांस्टेबल धर्मेन्द्र गोदारा, राकेश कुमार ने सड़क पर चलने वाले कार, जीप, ट्रक, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल आदि वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी। इस मौके पर कुल 50 से अधिक वाहनों के रिफ्लेक्टर लगाए गये। एएसआई सुरेश चंद्र मीणा ने बताया कि यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों में दो वाहनों के चालान व एक मोटरसाइकिल को सीज किया गया।

अभ्युदय कार्यक्रम हर्षोउल्लास के साथ मनाया



जनमार्ग न्यूज

गजसिंहपुर। कस्बे के अंग्रेजी माध्यम स्कूल पाॅपिस चिल्ड्रन वर्ल्ड के तत्वाधान में गजसिंहपुर रायसिंहनगर मार्ग पर स्थित राज रिर्साॅर्ट में पहला अभ्युदय कार्यक्रम हर्षो उत्सव के साथ आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएसपी अनु बिश्नोई रायसिंहनगर, पवन ज्योत सिंह हुंदल, जीवन सिंह हुंदल, हरजीत सिंह मिगलानी मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल चारु भारद्वाज ने की कार्यक्रम का आगाज मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। पाॅपिस चिल्ड्रन वर्ल्ड विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर वा बाही बंदी विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नाटक, भांगड़ा गीत, एवं देश भक्ति, बॉलीवुड एवं नर्दे मुने

बच्चों ने जल है तो कल का संदेश देते हुए प्रस्तुत किया। वहीं विद्यार्थियों के द्वारा बॉर्डर पर तैनात हमारे सैनिकों की अभिनव कला को दिखाते हुए अभिभावकों को भी मंत्र मुक्त कर दिया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान डीएसपी अनु बिश्नोई ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रूप देते हैं हमें समाज को शिक्षित एवं सांस्कृतिक बनाने के लिए नियंत्रण प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवारों के लिए पढ़ाने के साथ-साथ उनकी युवा पीढ़ी को संस्कृत एवं सकारात्मक मार्गदर्शन की आवश्यकता है कार्यक्रमों से छात्रों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारना आसान होता है इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर अमित भारद्वाज ने कहा कि सपने साकार करने का शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है यदि लक्ष्य निर्धारित पर कठिन परिश्रम के साथ किया जाए तो सफलता अवश्य



मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए गुरु का होना अति आवश्यक है अमित भारद्वाज ने मंच के माध्यम से अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागृत करने एवं अपने बच्चों को मोवाइल से दूर रहने का आवाहन किया साथ ही जल बचाने एवं पेड़ों को अधिक से अधिक लगाने के लिए प्रेरित किया प्रिंसिपल चारु भारद्वाज ने बच्चों और अभिभावकों से आवाहन किया कि बच्चों को निमित्त रूप से सुबह विद्यालय भेजे ताकि बच्चे देश का भविष्य बना सकें बच्चे ही मात्र देश का भविष्य बनाने में कटिबंध है बच्चों के द्वारा मंच पर प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम एक से बढ़कर एक थे उन्होंने बच्चों को तारीफ करते हुए कहा कि ऐसी कला बच्चों में ही देखने को मिलती है बच्चों की कला को निखारना शिक्षक का ही कार्य है। समाहित मंच पर विराजमान अतिथियों के द्वारा मंच के माध्यम से बच्चों की कला की तारीफ

करते हुए कहा कि ऐसा कार्यक्रम आज पहली बार देख रहे हैं। इस विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों स्टाफ एवं आयोजन कर्ताओं कि जितनी भी तारीफ की जाए उतनी ही कम है उन्होंने कहा कि हमारी डिक्सनरी में वे शब्द नहीं हैं जिससे हम इस विद्यालय के बच्चों की प्रशंसा कर सकें इस अवसर पर गजसिंहपुर, श्री करनपुर एवं पदमपुर के संस्था प्रधान, अभिभावक गण एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे मंच संचालन विद्यालय के स्टाफ के द्वारा ही किया गया।

लॉयन्स क्लब सिटी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को लॉयन्स क्लब हनुमानगढ़ सिटी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रविंद्र सिंगला, सचिव महक गर्ग और कोषाध्यक्ष योगेश गुप्ता ने अपने पदों की गरिमा और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण रीजन चेयरपर्सन लॉयन शिवशंकर खड़गावत, रीजन एडमिनिस्ट्रेटर प्रमोद खारीवाल और स्थापना अधिकारी राधाकृष्ण सिंगला द्वारा संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा, पूर्व सचिव गौरव बैद और पूर्व कोषाध्यक्ष शशांक सिंगला ने नवनिर्वाचित टीम को पदभार सौंपा। इस मौके पर नए अध्यक्ष रविंद्र सिंगला ने क्लब के उद्देश्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए समाजसेवा के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों को साथ मिलकर सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के दौरान लॉयन महक गर्ग को



उन्के उत्कृष्ट योगदान और सेवा कार्यों के लिए लॉयन ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया। अतिथियों ने महक गर्ग के समर्पण और सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि महक गर्ग ने अपनी कार्यशैली से समाजसेवा के क्षेत्र में मिसाल पेश की है। रीजन चेयरपर्सन शिवशंकर खड़गावत ने क्लब द्वारा किए गए सेवाकार्यों की प्रशंसा करते हुए नई कार्यकारिणी

को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लॉयन्स क्लब हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहा है और सामाजिक उत्थान के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई है। खड़गावत ने उम्मीद जताई कि नई टीम भी सेवाकार्यों में नये कीर्तिमान स्थापित करेगी और समाज के जरूरतमंद वगों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

कार्यक्रम में अन्य अतिथियों और सदस्यों ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने लॉयन्स क्लब के योगदान को सराहा और क्लब की नई टीम को समाजसेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की शुभकामनाएं दीं। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी सदस्यों ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। नई टीम ने क्लब की परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए सेवा और परोपकार के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया।

अरोड़वंश सभा ने धूमधाम से मनाया लोहड़ी पर्व

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। अरोड़वंश सभा हनुमानगढ़ जंक्शन द्वारा सोमवार को लोहड़ी पर्व को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज करवाई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए विधिवत पूजा अर्चना की। कार्यक्रम की शुरुआत लोहड़ी जलाकर की गई, जिसमें सेवानिवृत्त आईजी गिरीशा चावला, डॉ. बीके चावला, श्री अरोड़वंश सभा के अध्यक्ष खैराती लाल मदान, सचिव एडवोकेट मोहन मुंजाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप मदान राजू, श्री अरट जी महाराज चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मुंजाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक नारंग, उपाध्यक्ष छान वॉट्स, सचिव पवन ठट्टई, कोषाध्यक्ष किशन सेतिया, युवा अध्यक्ष अनिल गखड़, सुमित सुखीजा, गिरधारीलाल कालड़ा, जंगलाल भूतना, जयकिशन चावला लखवी और गणेश गिलहोत्रा ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

जरूरतमंदों के साथ लोहड़ी मनाकर वीरांगनाओ ने बांटी खुशी

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। सोमवार को युथ वीरांगनाओं ने सामाजिक समर्पण और सेवा का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए लोहड़ी का त्यौहार जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाया। इस दौरान बच्चों को मिठाइयां और गर्म कपड़े वितरित किए गए, जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। इस अवसर पर युथ वीरांगना संगठन की सदस्य भावना ने बताया कि त्यौहार का असली मतलब केवल अपने परिवार तक सीमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जरूरतमंदों के चेहरों पर खुशी लाकर त्यौहार मनाना ही सच्ची खुशी है।' उन्होंने यह भी बताया कि संगठन का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक सहायता पहुंचाना है, ताकि वे भी त्यौहारों की खुशियों का हिस्सा बन



सकें।कार्यक्रम के तहत, शहर के विभिन्न इलाकों से गरीब और बेसहारा 50 बच्चों को एकत्र किया गया। इन बच्चों को न केवल मिठाइयां बांटी गईं, बल्कि उन्हें ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े भी दिए गए। वीरांगनाओं ने इन बच्चों के साथ समय

बिताया, उनके साथ गाने गाए और लोहड़ी के पारंपरिक गीतों पर झूमते हुए त्यौहार का आनंद लिया। कार्यक्रम में शामिल स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने युथ वीरांगनाओं के इस प्रयास की सराहना की। लोगों ने इसे समाज के प्रति सच्ची सेवा

बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास से समाज में सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा मिलता है। सलोचना चौधरी, और दीपा बजाज ने बताया कि संगठन समय-समय पर इस तरह की गतिविधियां आयोजित करता है। उनका कहना है कि यदि हर कोई अपनी खुशी में जरूरतमंदों को भी शामिल करे, तो समाज में समरसता और भाईचारे का भाव मजबूत होगा। लोहड़ी का यह विशेष आयोजन न केवल जरूरतमंद बच्चों के लिए एक सुखद अनुभव था, बल्कि इसे देखने वालों के लिए भी एक प्रेरणा बन गया। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के इस प्रयास ने दिखाया कि जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो छोटी पहलें भी बड़ी प्रेरणा बन सकती हैं। इस अवसर पर भावना, ऐशना, संगीता, मीनू, मोनाक्षी, सरोज, कंचन इत्यादि मौजूद रही।

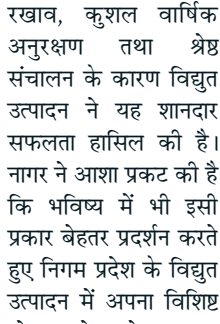
राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के विद्युत गृहों ने किया सर्वाधिक विद्युत उत्पादन

ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत होने पर झोरड़ व पुन्यानी का कांग्रेस कार्यालय में स्वागत

● 8341.5 मेगावाट क्षमता की इकाईयों से किया गया 7066 मेगावाट उत्पादन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के विद्युत गृहों ने गत दिवस अब तक का उच्चतम 7066 मेगावाट विद्युत उत्पादन करते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उत्पादन निगम की 7330 मेगावाट क्षमता की 22 थर्मल इकाईयों ने गत दिवस सर्वाधिक 6792 मेगावाट का विद्युत उत्पादन हासिल किया। वहीं निगम की गैस आधारित 600.5 एवं जल विद्युत आधारित 411 मेगावाट क्षमता की इकाईयों से 274 मेगावाट का विद्युत उत्पादन अर्जित किया गया। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने इस उपलब्धि पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए उत्पादन निगम के प्रबन्धन एवं समस्त कर्मचारियों को बधाई दी। उनके अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उनके दिशा-निर्देशन में कार्य करते हुए बेहतर रख-



रखा, कुशल वार्षिक अनुसंधान तथा श्रेष्ठ संचालन के कारण विद्युत उत्पादन ने यह शानदार सफलता हासिल की है। नागर ने आशा प्रकट की है कि भविष्य में भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करते हुए निगम प्रदेश के विद्युत उत्पादन में अपना विशिष्ट योगदान देता रहेगा। नागर ने कार्यभार शुरू करवाया गया। यह इकाई

तकनीकी खामियों के कारण दिसंबर 2021 से बंद पड़ी थी। निगम ने 8341.5 मेगावाट की संचालित इकाईयों से यह उच्चतम विद्युत उत्पादन दर्ज किया, जो कि 28 जनवरी 2023 को पूर्ववर्ती सरकार के समय प्राप्त किये गए 6641 मेगावाट के सर्वोच्च विद्युत उत्पादन से लगभग 425 मेगावाट अधिक है। यह जुलाई 2000 को निगम के गठन के बाद से भी अब तक की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है।

एलएंडटी की शिकायत के बाद जिला प्रशासन आया हरकत में

● आयुक्त को कार्यवाही के निर्देश

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एसी विभाग के पूर्व प्रदेश सचिव एवं बीसका के पूर्व सदस्य एडवोकेट संजय धारीवाल द्वारा विगत दिनों एडीएम प्रशासन रीना को दिए गए एलएंडटी टेका कंपनी के शिकायत ज्ञापन पर जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। एडवोकेट धारीवाल ने बताया कि एडीएम प्रशासन से मिलकर पुरानी आबादी में डेरा व्यास रोड से लेकर पटाखा फैक्टरी रोड तक एलएंडटी कंपनी द्वारा सड़कों को क्षतिग्रस्त



कर रखा है। पाइपलाइन बिछाने के बाद आजतक उक्त जगह गड्डों पर सीसी सड़क नहीं बनायी गई है। इस पर जिला प्रशासन ने एडवोकेट धारीवाल को पत्र लिखकर अवगत करवाया है कि उनकी इस शिकायत को नगर परिषद आयुक्त को अगामी कार्यवाही हेतु सौंपा है। धारीवाल ने बताया कि यदि नगर परिषद आयुक्त इस विषय में ठोस कार्यवाही नहीं करते हैं तो पुनः जिला कलेक्टर से मिलकर कार्यवाही करवायी जाएगी। वहीं धारीवाल ने बताया कि यह पुरानी आबादी क्षेत्र की प्रमुख सड़क है जिसके क्षतिग्रस्त होने से आस-पास के परिया के बड़ी संख्या में लोग परेशान है।

गुरु पुष्य नक्षत्र पर पंचामृत अभिषेक कल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ रोड स्थित सफेद चूहों वाले मनोकामना सिद्धि गणेश मंदिर में बुधवार 15 जनवरी 2025 को प्रातः 7.30 बजे भगवान श्रीगणेश का पुष्य स्नान एवं सवामन पंचामृत अभिषेक धूमधाम व श्रद्धापूर्वक किया जायेगा। इस मौके पर मुख्य यजमान संजीव कुमार लोहिया



होता है द्वारा अभिषेक किया जाता है। मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी आकाश गुंजर ने बताया कि इस अवसर पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर उनका विशेष श्रृंगार कर सिंदूर का चोला चढ़ाया जायेगा। तत्पश्चात पंचामृत के प्रसाद भक्तों में वितरित किया जायेगा। गुंजर ने बताया कि पुष्य स्नान व रक्षा सूत्र बंधवाने से भगवान श्रीगणेश हर संकट से बचाते हैं और जीवन को खुशियों से भर देते हैं और साथ ही हर शुभ कार्य को सिद्ध कर देते हैं। जैन ने बताया कि पंचामृत सवामन दुध, दही, घी, शहद व बुरा से तैयार किया जाता है।

पंजीकृत मतदाता को देय होगा संवैतनिक अवकाश

● 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा मतदान दिवस

श्रीगंगानगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विधानसभा आम चुनाव 2025 की घोषणा करने के साथ ही मतदान की तिथि 5 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मंजू ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 के अनुसार मतदान के दिन किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य संस्थान में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को जो विधानसभा क्षेत्र के लिये निर्वाचन में मतदान करने का हकदार है, को मतदान के दिन संवैतनिक अवकाश मंजूर किया जायेगा।

रोडवेज बस के टायरों में लगी आग

जनमार्ग न्यूज

कैथल। कैथल में रिवार की देर शाम को चंडीगढ़ से सिरसा जा रही हरियाणा रोडवेज की बस के पिछले टायरों में अचानक आग लग गई। ड्राइवर नरवल सिंह और कंडक्टर कोमल सिंह की सतर्कता से बस में सवार सभी 60 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना कलायत बस अड्डे पर हुई। जहां बस के पिछले टायरों से धुआं निकलने लगा। ड्राइवर-कंडक्टर ने तत्काल सभी यात्रियों को, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, बस से बाहर निकाला।

दमकल विभाग को सूचना दी गई और केंद्र प्रभारी सत्यवान सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने आग पर काबू पा लिया। ड्राइवर नरवल सिंह ने बताया कि गांव कौथल के पास भी बस में तकनीकी त्रुटि का पता चला था। बस को कैथल वर्कशॉप में चेक कराया गया और क्लीन चिट मिलने के बाद ही आगे बढ़ा था। उन्होंने बताया कि लंबे रूट पर चलने से कभी-कभी लेंडर और ड्रम गर्म हो जाते हैं, जिससे पिछले टायर जाम होने का खतरा रहता है। संयोग से इस घटना में किसी यात्री, कर्मचारी या आम नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

जिला परिषद की बैठक 17 को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 17 जनवरी 2025 को प्रातः 11 बजे जिला प्रमुख की अध्यक्षता में होगी। जिला परिषद के सीईओ सुभाष कुमार ने बताया कि जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में महात्मा गांधी योजनातर्गत वर्ष 2025-26 हेतु आजीविका संवर्द्धन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की थीम पर वार्षिक कार्ययोजना एवं श्रम बजट का अनुमोदन सहित अन्य मुद्दे प्रस्तावित हैं।

जिला सतर्कता समिति की बैठक 16 को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। राज्य सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा। जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जनसुनवाई और जिला सतर्कता समिति की बैठक जिला कलेक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में 16 जनवरी 2025 गुरुवार को प्रातः 11 बजे कलेक्टर श्रीगंगानगर के वीसी कक्ष में रखी गई है। जनसुनवाई में परिवेदियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरण एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी।

एसडी कॉलेज में स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गई



जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सेठ जी. एल. बिहाणी सनातन धर्म स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनो इकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इसके तहत 1 से 10 जनवरी तक चार्ट मेकिंग, निबंध, भाषण, काव्य पाठ, स्लोगन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं

का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. वरुण माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक कि लक्ष्य प्राप्त न हो जाए'। कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी डॉ. रितु कौशिक एवं असिस्टेंट प्रोफेसर सतनाम और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन प्रतिनिधि मंडल मिला चिकित्सा सेवा निदेशक से



श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन श्रीगंगानगर का प्रतिनिधि मंडल प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी एवं जिलाध्यक्ष रविन्द्र शर्मा के नेतृत्व में निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान जयपुर राकेश कुमार शर्मा से मिला और विभाग में नर्सिंग ऑफिसर से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर के पदों पर पदोन्नति की मांग की साथ ही नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में जिले से बाहर पदस्थापित नर्सिंग ऑफिसर को उनके ग्रह जिले में पदस्थापन के संशोधित आदेश जारी करने की मांग की गई। गौर तलब है चिकित्सा एवम स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से पदोन्नत सीनियर नर्सिंग ऑफिसरों को न्यायालय का स्थान होने के कारण पदस्थापन नहीं किया जा रहा है इस कारण पदोन्नति के पात्र नर्सिंग ऑफिसरों की पदोन्नति भी बाधित हो रही है।

जोर पकड़ने लगी किकरवाली जोहड़ी को ग्राम पंचायत बनाने की मांग

जनमार्ग न्यूज

किकरवाली जोहड़ी। राजस्थान में पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसी बीच किकरवाली जोहड़ी, जो कि फरीदसर ग्राम पंचायत का एक बड़ा गांव है, को अलग ग्राम पंचायत बनाने की मांग जोर पकड़ रही है। समाजसेवी जयपाल छीपा ने बताया कि किकरवाली जोहड़ी अपनी जनसंख्या, क्षेत्रफल, मतदाता संख्या और अन्य आवश्यकताओं के आधार पर एक स्वतंत्र ग्राम पंचायत बनने की पूरी योग्यता रखता है।



किकरवाली जोहड़ी के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों, जैसे बीपीएम ढाणी और अन्य गांवों की जनसंख्या और क्षेत्रफल पर्याप्त है, जो इसे ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए उपयुक्त बनाता है। वर्तमान में ग्रामीणों को लगभग 5 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करके फरीदसर ग्राम सभा में जाना पड़ता है, जिससे उन्हें कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। किकरवाली जोहड़ी और आसपास के इलाकों में मूलभूत सुविधाएं,

जैसे सड़क, जलापूर्ति, और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। पंचायत बनने से इन समस्याओं को हल करने में आसानी होगी। विशेष समुदाय का बाहुल्य अनुसूचित जाति समुदाय की बड़ी संख्या होने के कारण इस क्षेत्र को विशेष ध्यान और विकास योजनाओं की आवश्यकता है। मतदाता संख्या-क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है, जो इसे एक स्वतंत्र पंचायत बनाने के लिए पर्याप्त बनाती है।

ग्रामवासियों का कहना है कि किकरवाली जोहड़ी और आसपास के गांवों को जोड़कर एक नई ग्राम पंचायत बनाई जाए, ताकि प्रशासनिक सेवाएं और योजनाओं का लाभ सीधा गांव में ही मिल सके। जयपाल छीपा ने कहा, पंचायत बनने से यहां के लोगों को कई जटिलताओं से छुटकारा मिलेगा। प्रशासनिक कार्यों में सहूलियत होगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी। सरकार को इस मांग पर शीघ्र विचार करना चाहिए। ग्रामीणों ने इस संबंध में विभिन्न अधिकारियों को ज्ञापन देने की योजना बनाई है और सरकार से सकारात्मक निर्णय की उम्मीद जताई है।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय का कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम आयोजित

जनमार्ग न्यूज

नेतेवाला। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लड्डवाली में राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद जयंती दिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस व कर्तव्य बोध दिवस के रूप में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती गायत्री वर्मा ने की। उपप्रधानाचार्य हरफूल राम मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कहा कि आज के गुरु को रामकृष्ण परमहंस की तरह स्वामी विवेकानंद जैसे शिष्य तैयार करने होंगे उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सुभाष चंद्र बोस व स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों के लिए राष्ट्र हित प्रथम था परिवार व समाज बाद में। उन्होंने कहा कि मन से अपने कर्तव्य का पालन न केवल व्यक्तिगत विकास का मार्ग है, बल्कि देश को मजबूत और समृद्ध बनाता है। आज के विद्यार्थी को अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का भाव विकसित करने की आवश्यकता है। विद्यालय के शारीरिक



शिक्षक जगमोहन मान ने विद्यार्थियों को उनके करियर से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की जानकारी दी। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिला संयुक्त मंत्री इन्द्रसेन लिम्बा ने विद्यार्थियों को समाज व देश को नई दिशा देने के लिए समाज में पंच परिवर्तन यथा सामाजिक समरसता, स्वदेशी जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, परिवार प्रबोधन व नागरिक कर्तव्य को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया तथा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशा जैसी बुरी आदत से दूर रहने की सलाह दी। उपप्रधानाचार्य श्रीमती आरती चौधरी ने संगठन द्वारा कर्तव्य

बोध दिवस जैसे सामाजिक सरोकार कार्यक्रम आयोजित करने पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय का आभार जताते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपने अधिकारों के साथ-साथ देश व समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखना चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य व कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने संगठन द्वारा कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम आयोजन करने पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रत्येक शिक्षक व विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठता का पालन करने का

गुरुद्वारा बाबा दीपसिंह शहीद प्रबंधक कमेटी की नई टीम का गठन

● हरप्रीत सिंह बबलू प्रधान व अमरजीत सिंह शैरी नियुक्त हुए महासचिव

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पदमपुर रोड स्थित गुरुद्वारा धन धन बाबा दीप सिंह शहीद श्रीगंगानगर में आज समूह संगत की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। मुख्य सेवादार तेजिंदर पाल सिंह टिम्मा के अनुसार आज गुरुद्वारा धन धन बाबा दीप सिंह जी शहीद श्रीगंगानगर में दोपहर 12-00 बजे समूह संगत के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा अभी तक चल रहे धार्मिक, सामाजिक इत्यादि कार्यों पर चर्चा की गई। इसी बैठक संगत ने गुरुद्वारा



प्रबंधक कमेटी का विस्तार करने का सुझाव दिया गया। वर्तमान गुरुद्वारा साहिब की प्रबंधक कमेटी ने इस सुझाव का स्वागत किया और नई कार्यकारिणी गठित करने के संबंध में सभी संगत से विचार विमर्श किया गया। उपरांत संगत में से 21 सदस्यीय गुरुद्वारा साहिब की नई प्रबंधक कमेटी का गठन किया गया। मुख्य सेवादार तेजिन्दर पाल सिंह टिम्मा ने बताया कि बाबा दीप सिंह सेवा समिति के

अध्यक्ष सतनाम सिंह लाडा को संरक्षक, हरप्रीत सिंह बबलू को प्रधान, अमरजीत सिंह शैरी को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा 21 सदस्यीय गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी में अरविंदर सिंह सिंघु, सुखदेव सिंह पंछी, अंग्रेज सिंह, अवतार सिंह, हरसिमरन सिंह अप्पू, चरणजीत सिंह अहूजा, कुलविंदर सिंह राजू, परमिंदर सिंह राणा, अमनप्रीत सिंह मोनू, जसविंदर सिंह खालसा,

कुलदीप सिंह चोपड़ा, डॉक्टर लखविंदर सिंह, हरदीप सिंह रिंकू, सिफत सिंह, अंगद सिंह, परमजीत सिंह कोहली, अमरजीत सिंह नारांग, निरंजन सिंह, परमजीत सिंह, इंद्र मोहन सिंह को सेवा सौंपी गई। तत्पश्चात गुरुद्वारा साहिब में ग्रंथी जसवीर सिंह पिंकी ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष नई प्रबंधक कमेटी की चड्डी कला की अरदास की। उपरांत सभी सदस्यों को सिरोंपा देकर सम्मानित किया गया।